लखनऊ । वाराणसी । नई दिल्ली

23 अक्टूबर 2026 शुक्रवार
वर्ष : 19 अंक: 111
पृष्ठ : 8
वाराणसी
काशी संस्करण
मूल्य: 2.00 रूपए

लोक हस्तक्षेप

Power Of Truth

www.facebook.com/lokhastakshep www.twitter.com/lokhastakshep /Lokhastakshep /Lokhastakshep www.lokhastakshep.com

काशी के आसमान में गूंजी राफेल-सुखोई की दहाड़, गंगा की लहरों पर वायुसेना का शौर्य

विशेष संवाददाता

वाराणसी। धर्म और अध्यात्म की नगरी काशी का आसमान आज भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों की गर्जना से थर्रा उठा, तो वहीं गंगा की लहरों पर जांबाज कमांडो के हैरतअंगेज कारनामों ने लाखों दर्शकों की सांसें थाम दीं। वायुसेना के 94वें स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय भव्य एयर शो 'विंग्स ओवर गंगा' का आज नमो घाट के सामने भव्य आगाज हुआ।

100 से अधिक लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों और विंटेज विमानों ने अस्सी से राजघाट तक के आसमान में ऐसा शौर्य बिखेरा कि हर हर महादेव के उद्‌घोष से पूरी काशी गूंज उठी।

हनुमान और रुद्र फॉर्मेशन ने जीता दिल

देश के 12 अलग–अलग एयरबेस से उड़ान भरकर पहुंचे 52 लड़ाकू विमानों ने हवा में एक से बढ़कर एक करतब दिखाए। अत्याधुनिक लड़ाकू विमान राफेल और सुखोई–30 एमकेआई ने जब शहनुमानश और शरुद्रश फॉर्मेशन के तहत गंगा की सतह से बेहद कम ऊंचाई पर सुपरसोनिक रफ्तार से उड़ान भरी, तो घाटों पर मौजूद लाखों लोग रोमांचित हो उठे।

वहीं, स्वदेशी एलसीए तेजस ने अस्सी कॉलसाइन के साथ आसमान को चीरते हुए अपनी ताकत का अहसास कराया। जगुआर और मिराज–2000 विमानों ने भी तीर की नोक (एरोहेड) डिजाइन में फ्लाईपास्ट कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

गंगा में उतरे मार्कोस, चिनूक का वाटर टच स्टंट

लड़ाकू विमानों के अलावा वायुसेना की प्रसिद्ध सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम ने आसमान में तिरंगा और दिल की खूबसूरत आकृतियां बनाईं। सारंग हेलीकॉप्टर टीम ने हवा में जुगलबंदी कर अपनी कुशलता का लोहा मनवाया। शो का सबसे बड़ा आकर्षण चिनूक हेलीकॉप्टर रहा, जिसने गंगा के पानी को छूकर दोबारा उड़ान भरने (वाटर टच एंड गो) का खतरनाक स्टंट किया। इसके साथ ही चेतक हेलीकॉप्टरों से पूरे घाट क्षेत्र पर पुष्पवर्षा की गई। शो के दौरान वायुसेना के मार्कोस कमांडो ने हेलीकॉप्टर से रस्सी के सहारे गंगा में तैरते क्रूज पर उतरने (स्लिदरिंग ऑपरेशन) का लाइव डेमो दिया, जिसे देख लोगों ने तालियों से आसमान गुंजा दिया।

25 को पीएम मोदी की मौजूदगी में होगा समापन

यह भव्य आयोजन 22, 24 और 25 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे से 2 बजे के बीच दो स्लॉट में आयोजित किया जा रहा है। 23 अक्टूबर को कोई शो नहीं होगा। आयोजन के आखिरी दिन, यानी 25 अक्टूबर को मुख्य और समापन शो के दौरान प्रध ाानमंत्री नरेंद्र मोदी भी काशी में मौजूद रहेंगे और वायुसेना के इस अद्‌भुत पराक्रम के साक्षी बनेंगे।

घाटों पर उमड़ा जनसैलाब, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

सुरक्षा कारणों से मुख्य आयोजन स्थल नमो घाट पर केवल आमंत्रित वीआईपी मेहमानों को प्रवेश दिया गया। हालांकि, शो का आनंद लेने के लिए अस्सी घाट, दशाश्वमेध घाट, पंचगंगा घाट और राजघाट सहित सभी प्रमुख घाटों की सीढ़ियों और घरों की छतों पर सुबह से ही लाखों की भीड़ जमा हो गई थी। चंदौली की तरफ डोमरी और रामनगर के मैदानी इलाकों में भी पैर रखने की जगह नहीं थी। नगर निगम ने सुरक्षा के मद्देनजर 424 जर्जर भवनों की छतों पर भीड़ जुटने पर रोक लगा रखी थी। सुरक्षा के लिए मालवीय पुल पर यातायात बंद किया गया था और घाटों की तरफ जाने वाले रास्तों को नो–व्हीकल जोन घोषित किया गया था।

जंतर-मंतर प्रदर्शन केस में सीजेपी नेता सौरव-आशुतोष की मुश्किलें बरकरार

एजेंसी,नयी दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेता सौरव दास और आशुतोष रांका को दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने 13 अक्टूबर को जंतर–मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में गुरुवार को पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन उन्होंने पेश होने के लिए और समय मांगा है। सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। अपराध शाखा ने इन दोनों नेताओं को पेश होने का निर्देश दिया था। उनके खिलाफ 13 अक्टूबर को जंतर–मंतर जाने के लिए एक निजी संपत्ति में अनधिकृत रूप से प्रवेश करने और लोक सेवकों के काम में बाधा डालने के आरोप में दो अलग–अलग मामले दर्ज किए गए थे और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। हालांकि शांति भंग न करने का हलफनामा देने के बाद उन्हें बुधवार को रिहा कर दिया गया।

हाल में दोनों मामले अपराध शाख को भेज दिए गए थे। पुलिस सूत्रों ने कहा कि दास और रांका ने अपराध शाखा के सामने पेश होने के लिए और समय मांगा है तथा गुरुवार को उनसे पूछताछ नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि पुलिस दोनों को नए सिरे से नोटिस जारी कर जांच में शामिल होने का निर्देश दे सकती है।

शिलांग में ईडी दफ्तर पर पेट्रोल बम से हमला, दो दिन में सरकारी ठिकानों पर दूसरी वारदात

एजेंसी,शिलांग। मेघालय की राजधानी शिलांग में वीरवार तड़के मोटरसाइकिल सवार दो लोगों ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कार्यालय वाले भवन पर पेट्रोल बम फेंके। दो दिनों में सरकारी प्रतिष्ठानों पर हमले की यह दूसरी घटना है। पूर्वी खासी हिल्स के पुलिस अधीक्षक विवेक सायम ने बताया कि लंगकिर्डिंग इलाके में स्थित भवन पर हमले से कोई संरचनात्मक नुकसान नहीं हुआ।

अधिकारी ने कहा, भवन के अंदर तैनात सुरक्षाकर्मी को सुबह तक हमले की जानकारी नहीं थी। संदिग्धों की पहचान करने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। इस संबंध में एक मामला दर्ज किया जा रहा है और इलाके में गश्त बढ़ा दी गई है। बुधवार को सुबह लैतुमखरा इलाके में स्वास्थ्य विभाग के कार्यालय पर भी इसी तरह के हमले की घटना हुई थी।

जबलपुर में दशहरा जुलूस के दौरान दो गुटों में झड़प, पुलिसकर्मी और युवक घायल, इलाके में भारी पुलिस बल तैनात

एजेंसी,जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर में दशहरा जुलूस के दौरान एक युवक को चाकू मारने की घटना सामने आई है। पुलिस की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, मध्य प्रदेश के जबलपुर में गुरुवार तड़के गढ़ा दशहरा जुलूस के दौरान दो गुटों के बीच झड़प हो गई। इस घटना में एक युवक को चाकू मार दिया गया, जबकि बीच–बचाव करने की कोशिश में एक पुलिस सब–इंस्पेक्टर घायल हो गए। यह वारदात तड़के त्रिपुरी चौक के पास उस समय हुई, जब विसर्जन जुलूस अपने अंतिम चरण में था और लगभग तीन मूर्तियों का विसर्जन होना बाकी था। जुलूस के साथ मौजूद पुलिस टीम को झड़प की सूचना मिली और वे तुरंत मौके पर पहुंचे। सीएसपी आशीष जैन ने बताया कि सब–इंस्पेक्टर संजय गुर्जर और

उनकी टीम त्रिपुरी चौक से दाईं ओर लगभग 50 फीट दूर घटनास्थल पर पहुंची और दोनों गुटों को अलग किया। बीच–बचाव के दौरान पुलिस ने संजीवनी नगर थाना क्षेत्र के शांति नगर निवासी अनुराग पांडे को चाकू के हमले में घायल देखा। स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश में सब–इंस्पेक्टर गुर्जर के चेहरे पर भी चोट आई। जैन ने कहा, सब–इंस्पेक्टर संजय गुर्जर को सुबह करीब 5 बजे दो गुटों के बीच लड़ाई की सूचना मिली। वे अपनी टीम के साथ जुलूस में मौजूद थे और तुरंत मौके पर पहुंच गए। अनुराग पांडे को इलाज के लिए मेडिकल अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद पुलिस ने आकाश झारिया और उसके एक साथी को हिरासत में लिया और हमले के संबंध में पूछताछ शुरू कर दी। सीएसपी

शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 460 अंक फिसला

मुंबई। शेयर बाजार मेंआज 22 अक्टूबर को गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 460.30 अंक (0.62:) गिरकर 73,249.39 पर आ गया। वहीं, निफ्टी 123.70 अंक (0.54:) टूटकर 22,687.65 पर बंद हुआ। कच्चे तेल की ऊंची कीमतोंऔर अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में मजबूती से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। सेंसेक्स में शामिल कंपनियोंमेंसे पावरग्रिड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, मारुति सुजुकी इंडिया, टाटा स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, ट्रेंट, बजाज फिनसर्व, इंडिगो और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे।

सोनिया गांधी की इंस्टाग्राम पर एंट्री, पहली पोस्ट में दिखाई अपनी पुस्तक बिलॉन्गिंग की झलक

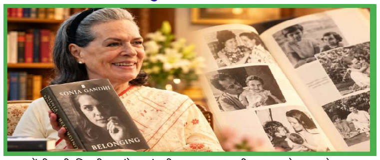

एजेंसी,नयी दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर अपने पेज की शुरुआत की और उन्होंने उस पर अपनी पुस्तक बिलॉन्गिंग ए जर्नी ऑफ लव की पहली झलक साझा की है। उन्होंने पहली बार किसी सोशल मीडिया मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। सोनिया गांधी ने इंस्टाग्राम पर अपनी पहली पोस्ट में पुस्तक की झलक पेश करते हुए कहा कि वह इस खास पल को सभी के साथ साझा कर रही हैं और सभी की बेहद आभारी है। उन्होंने कहा, सभी को नमस्कार। बिलॉन्गिंग ए जर्नी ऑफ लव की पहली झलक आप सभी के साथ साझा करते हुए मैं वास्तव में बहुत आभारी हूं। उन्होंने पुस्तक के विषय का उल्लेख करते हुए कहा कि यह प्रेम, कर्तव्य और अपनेपन की जगह तलाशने की कहानी है।

वाहनों को कबाड़ में बदलने के लिए फोर्स मोटर्स–रोस्मर्टा में साझेदारी

एजेंसी,मुंबई । पुणे स्थित फोर्स मोटर्स ने पुराने वाहनों को कबाड़ में बदलने के लिए रोस्मर्टा ऑटो रीसाइक्लिंग के साथ साझेदारी की है। बृहस्पतिवार को बयान में यह जानकारी दी गई। रोस्मर्टा ने कहा कि इस साझेदारी से फोर्स मोटर्स के ग्राहकों को उसकी सुविधा का लाभ मिलेगा और समय सीमा पूरी कर चुके वाहनों को हटाने के लिए एक निर्धारित प्रक्रिया उपलब्ध होगी। एनसीआर में संचालित अधिकृत पंजीकृत वाहन कबाड़ सुविधा (आरवीएसएफ) रोस्मर्टा प्रदूषण नियंत्रण, वाहन खोलने और सामग्री पुनः प्राप्त करने की प्रक्रियाओं के जरिये समय सीमा पूरी कर चुके वाहनों के पुनर्चक्रण के लिए पर्यावरण संबंधी मानकों के अनुरूप समाधान उपलब्ध कराती है।

अखिलेश–आजम की जेल में मुलाकात 2026 के चुनावी समीकरणों पर हुआ मंथन

संवाददाता

लखनऊ/रामपुर। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रामपुर जेल में बंद पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान से मुलाकात की। आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 के मद्देनजर करीब एक घंटे चली इस बातचीत को सूबे की सियासत में बेहद अहम माना जा रहा है।

हाल ही में एआईएमआईएम (।प्डप्ड) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी द्वारा रामपुर में अखिलेश पर आजम खान की अनदेखी का आरोप लगाने के बाद यह मुलाकात हुई है, जिसे मुस्लिम वोटबैंक को बिखरने से बचाने की कवायद के रूप में देखा जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, आजम खान ने पश्चिमी यूपी में अपने वफादार नेताओं को टिकट देने की मांग रखी है और वर्तमान सांसद मोहिबुल्लाह नदवी की दखलंदाजी पर नाराजगी जताई है। जेल से बाहर आकर अखिलेश यादव ने कहा कि आजम खान को झूठे मुकदमों में फंसाया गया है और ये फर्जी मामले ज्यादा दिन नहीं टिकेंगे।

सीएचओ की हड़ताल का 25वां दिन ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित

- जांचों के लिए निजी अस्पतालों का रुख कर रहे मरीज
- नियमितीकरण और 4800 ग्रेड पे की मांग पर अड़े

लोक हस्तक्षेप संवाद

सीतापुर/लखनऊ। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) का अनिश्चितकालीन धरना–प्रदर्शन और हड़ताल गुरुवार को 25वें दिन भी जारी है। हड़ताल के चलते ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही है। इसका असर आम जनता पर पड़ रहा है और मरीजों को जांच तथा स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं प्राप्त करने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में शुगर ब्लड प्रेशर (बीपी) ओपीडी टाइफाइड और हीमोग्लोबिन सहित 14 प्रकार की जांचों के लिए लोगों को निजी डॉक्टरों और अस्पतालों का सहारा लेना पड़ रहा है। वर्तमान समय में सर्दी–जुकाम और बुखार के मरीजों की परेशानी के बीच स्वास्थ्य सेवाओं में व्यवधान से ग्रामीण परिवारों को अतिरिक्त कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

हड़ताल कर रहे सीएचओ की प्रमुख मांगों में सीएचओ कैडर का नव निर्माण नियमितीकरण और 4800 ग्रेड पे दिए जाने की मांग शामिल है। इसके अतिरिक्त ग्रामीण अंचलों में कार्यरत पीवीआई को वेतन में समायोजित करने की मांग भी उठाई जा रही है।

सीएचओ अपनी मांगों को लेकर लगातार धरना–प्रदर्शन कर रहे हैं। हड़ताल के 25 दिन बीत जाने के बाद भी ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं पर इसके प्रभाव को लेकर चिंता बढ़ रही है। ऐसे में आम जनता को राहत दिलाने के लिए संबंधित विभाग की ओर से मांगों पर वार्ता कर समाधान की दिशा में पहल किए जाने की आवश्यकता है।

शादी के नाम पर ठगी और जानलेवा हमले का आरोप कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज

हरदोई,संवाददाता। जिले के हरपालपुर थाना क्षेत्र में ग्राम भूसेहरा में शादी कराने और घर संभालने का झांसा देकर एक युवक से 1.5 लाख रुपये ऐंठने तथा रकम वापस मांगने पर घर में घुसकर चाकू से जानलेवा हमला करने के आरोप में पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। जानकारी के अनुसार, भूसेहरा गांव निवासी गुलाब पुत्र स्वर्गीय रघुवीर ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि गांव के ही ज्ञानेन्द्र व उसके पुत्र अजीत कुमार तथा चन्दसौर निवासी मनोज कुमार व विजय ने शादी कराने और परिजनों की देखरेख के नाम पर उससे डेढ़ लाख रुपये मांगे थे। पीड़ित ने अपनी वृद्ध मां के जेवर बेचकर और खेत गिरवी रखकर यह रकम जुटाई थी।

कोटवा सड़क पर पोषक ट्रेडर्स द्वारा 8वें विशाल भंडारे का आयोजन, हजारों भक्तों ने ग्रहण किया प्रसाद

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

रामसनेहीघाट बाराबंकी। कोटवा सड़क–सिद्धौर रोड पर पोषक ट्रेडर्स के द्वारा नवरात्रि के पावन अवसर पर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी आठवां विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।भंडारे में पूड़ी–सब्जी और हलवा का प्रसाद वितरित किया गया, जिसे हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर आनंद लिया। पूरे दिन जय माता दी के जयकारों से क्षेत्र भक्तिमय बना रहा।इस अवसर पर मुख्य रूप से राजेंद्र कौशल, राजेश कौशल, रवि कौशल (रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार), अंशु कौशल, आशीष कौशल सहित समस्त कौशल परिवार संयोजक के रूप में मौजूद रहा।

वहीं सेवा–दार के रूप में मनीष कुमार, दिलीप, सिंपल, माता प्रसाद, दीपक कौशल, सुधीर कुमार, प्रशांत वर्मा, संजीव कुमार, अरविंद कुमार, रवि वर्मा, मटरू वर्मा, विपीन वर्मा, श्री चंद गुप्ता, उत्तम मिश्रा, अमर सिंह वर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

रामसनेहीघाट में चाक-चौबंद सुरक्षा के बीच कल्याणी तट पर दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

रामसनेहीघाट बाराबंकी। तहसील रामसनेही घाट क्षेत्र चौकी हथौंधा अंतर्गत सहादतगंज कल्याणी तट पर इस बार विसर्जन ने मिसाल कायम कर दी। तीन दिनों तक चले महाविसर्जन में करीब 48 दुर्गा प्रतिमाओं को अगले बरस तू जल्दी आना" के जयकारों के साथ नमः आंखों से विदाई दी गई। रामसनेहीघाट राजस्व प्रशासन और हथौंधा चौकी पुलिस ने घाट पर ऐसी चाक–चौबंद व्यवस्था की कि श्रद्धालुओं ने खुद पुलिस की पीठ थपथपाई। गोताखोर, लाइफ जैकेट, बैरिकेडिंग और पुल पर अतिरिक्त फोर्स – हर कदम पर सुरक्षा का पहरा रहा हथौंधा पुलिस की मुस्तैदी से तीन दिनो में राजेपुर,कोटवा सड़क,लाल पुरराज पुर,लालुपुर,मेडुवा, सनौली, खजुरी,बाजपुर सहित विभिन्न गावों से करीब 48 मूर्तियां शांतिपूर्ण ढंग से विसर्जित हुईं।

अजयपाल सिंह की सक्रियता से ऊंचाहार की राजनीति गरमाई

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

ऊंचाहार (रायबरेली)। अरखा गांव निवासी पूर्व विधायक कुंवर अजयपाल सिंह की क्षेत्र में अचानक बढ़ी सक्रियता से स्थानीय राजनीति में हलचल तेज हो गई है।

लगभग दस वर्ष तक राजनीतिक परिदृश्य से दूर रहने के बाद, श्राजा अरखाश के नाम से लोकप्रिय पूर्व विधायक इन दिनों ऊंचाहार विधानसभा क्षेत्र के सघन दौरे पर हैं।

क्षेत्र भ्रमण के दौरान उन्हें किसानों, युवाओं और महिलाओं का भारी समर्थन मिल रहा है। स्थानीय प्रबुद्ध जनों के अनुसार, कुंवर अजयपाल सिंह सीधे जनता के बीच जाकर सड़क, बिजली, पानी और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी समस्याओं को उठा रहे हैं, जिससे आवाम में उनके प्रति पुराना भरोसा फिर से जाग उठा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पूर्व विधायक का यह जनसंपर्क आगामी चुनाव से पहले जमीनी पकड़ मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा है।

वाराणसी एमएलसी चुनावः बलिया में 54 केंद्रों पर 33,770 मतदाता करेंगे मतदान

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

बलिया। बलिया जनपद में वाराणसी स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन के तहत शुक्रवार, 23 अक्टूबर को के 54 मतदान केंद्रों पर 33,770 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। चुनाव में स्नातक निर्वाचन के 24 और शिक्षक निर्वाचन के 10 प्रत्याशी मैदान में हैं। मतदान को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए बृहस्पतिवार देर शाम सदर तहसील से पोलिंग पार्टियों को रवाना किया गया। प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। जिले में स्नातक निर्वाचन के लिए 34 और शिक्षक निर्वाचन के लिए 20 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। स्नातक निर्वाचन में 28,859 और शिक्षक निर्वाचन में 4,911 मतदाता हैं। दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 34 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला होगा। जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह और पुलिस अधीक्षक ईराज राजा ने चुनाव की तैयारियों का जायजा लिया। पोलिंग पार्टियों की रवानगी के दौरान सीडीओ आलोक कुमार, एडीएम अनिल कुमार, सिटी मजिस्ट्रेट आसाराम वर्मा और डीडीओ आनंद प्रकाश सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

उन्नाव में निराला प्रेक्षागृह में किसान आंदोलन, सैकड़ों किसान हुए शामिल

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। निराला प्रेक्षागृह में भारतीय किसान यूनियन किसान अराजनैतिक की ओर से किसान आंदोलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से सैकड़ों की संख्या में किसान शामिल हुए। इस दौरान किसानों से जुड़े मुद्दों और उनकी समस्याओं को लेकर चर्चा की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय किसान यूनियन किसान अराजनैतिक के प्रदेश अध्यक्ष हरिनाम सिंह वर्मा मौजूद रहे। बता दे कि इसके साथ ही जिला कृषि अधिकारी उन्नाव शशांक चौधरी और संगठन के जिलाध्यक्ष किरण सिंह पटेल ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। आयोजन में बड़ी संख्या में किसानों की मौजूदगी रही। किसान आंदोलन के माध्यम से किसानों की समस्याओं और उनके हितों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। कार्यक्रम में किसान संगठन के पदाधिकारियों और किसानों की भागीदारी देखने को मिली।

सहारा जमाकर्ताओं का इको गार्डन पार्क लखनऊ में अनिश्चितकालीन धरना शुरू

भुगतान होने तक जारी रहेगा आंदोलन

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सीतापुर/लखनऊ। सहारा इंडिया परिवार के पीड़ित जमाकर्ताओं के बकाया भुगतान की मांग को लेकर 22 अक्टूबर 2026 से लखनऊ स्थित इको गार्डन पार्क में अनिश्चितकालीन धरना–प्रदर्शन शुरू कर दिया गया है। ऑल इंडिया जन आंदोलन सहारा संघर्ष न्याय मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय देव शुक्ला एवं राष्ट्रीय महासचिव सतीश त्रिवेदी के नेतृत्व में शुरू हुए इस आंदोलन में पीड़ित जमाकर्ताओं के भुगतान का मुद्दा प्रमुखता से उठाया जा रहा है।

आंदोलनकारियों की मांग है कि सहारा पीड़ित जमाकर्ताओं की मेहनत की कमाई वापस दिलाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं और उनका बकाया भुगतान सुनिश्चित किया जाए। मोर्चा की ओर से कहा गया है कि जब तक जमाकर्ताओं को उनका भुगतान नहीं मिल जाता तब तक अनिश्चितकालीन धरना–प्रदर्शन जारी रहेगा।

ऑल इंडिया जन आंदोलन सहारा संघर्ष न्याय मोर्चा के सीतापुर जिला अध्यक्ष नवल किशोर मिश्रा ने जनपद सहित प्रदेश के सभी सहारा पीड़ित जमाकर्ताओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इको गार्डन पार्क लखनऊ पहुंचकर धरना–प्रदर्शन में शामिल हों। उन्होंने कहा कि जमाकर्ताओं की एकजुटता और संख्या बल से आंदोलन को मजबूती मिलेगी तथा भुगतान की मांग को प्रभावी ढंग से उठाया जा सकेगा।

एमएलसी चुनाव आज पुराने कार्यकाल का हिसाब मांग रहे मतदाता

हरदोई,संवाददाता। शिक्षक स्नातक निर्वाचन के लिए शुक्रवार को मतदान होना है। चुनाव क्षेत्र में भाजपा,सपा प्रत्याशी के बीच सीधी टक्कर है। दोनों दलों ने अपने प्रत्याशी को जिताने के लिए ऐड़ी चोटी का जोर लगा दिया। सपा प्रत्याशी ने चुनाव में गड़बड़ी की आशंका भी जताई है। सपा और भाजपा चुनाव लड़ रहे दोनों प्रत्याशी पूर्व में स्नातक कोटे के विधायक रह चुके हैं।

सुविधाएं बढ़ीं तो देवी धामों को उमड़े श्रद्धालु, धार्मिक पर्यटन को मिली गति

संवाददाता

लखनऊ। देवी मंदिरों के विकास और सुविधाओं के विस्तार से धार्मिक पर्यटन को नई गति मिल रही है। वर्ष 2017 से योगी सरकार प्रमुख देवी धामों के विकास पर विशेष ध्यान दे रही है। इसका असर नवरात्र के दौरान विभिन्न मंदिरों में उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ में स्पष्ट दिखाई दिया। मीरजापुर के मां विंध्यवासिनी धाम में पिछले वर्ष के मुकाबले इस बार नवरात्र में अधिक श्रद्धालु पहुंचे, वहीं प्रयागराज के अलोपी देवी मंदिर और लखनऊ के बड़ी काली जी मंदिर में भी लाखों श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों के साथ क्षेत्रीय स्तर पर प्रसिद्ध देवी मंदिरों में भी श्रद्धालुओं की बढ़ती आवाजाही धार्मिक पर्यटन की व्यापक संभावनाओं को सामने ला रही है। मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार धार्मिक स्थलों के संरक्षण, विकास और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश के 19 जिलों के 20 देवी स्थलों पर करीब 83 करोड़ रुपये की लागत से 22 प्रमुख परियोजनाएं शामिल की गई हैं। इन परियोजनाओं के माध्यम से मंदिरों में पर्यटन सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, ताकि श्रद्धालुओं को सुगम और बेहतर अनुभव मिल सके। मीरजापुर स्थित मां विंध्यवासिनी धाम में इस वर्ष नवरात्र के दौरान श्रद्धालुओं की संख्या में बढ़ोतरी दर्ज की गई। श्री विंध्य पंडा समाज के अध्यक्ष पंकज द्विवेदी ने बताया कि पिछले वर्ष नवरात्र में करीब 20 से 22 लाख श्रद्धालु मां के दर्शन के लिए पहुंचे थे, जबकि इस वर्ष यह संख्या 30 लाख से अधिक रही. नवरात्र के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। विंध्याचल धाम के साथ अष्टभुजा देवी और काली खोह मंदिर भी श्रद्धालुओं के प्रमुख आस्था केंद्र हैं। प्रयागराज स्थित मां अलोपी देवी मंदिर में भी श्रद्धालुओं की संख्या में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वर्ष 2024 में यहां 6.25 लाख और 2025 में 11.10 लाख श्रद्धालु पहुंचे. वहीं, सितंबर 2026 तक करीब 4.05 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए. इस वर्ष नवरात्र में 1.60 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने मां के दर्शन किए। मंदिर के पुजारी मनसुख गिरी के अनुसार, नवरात्र के दौरान प्रतिदिन 20 हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंचते हैं, जबकि अष्टमी और नवमी पर यह संख्या 30 हजार से भी अधिक हो जाती है। राजधानी लखनऊ के बड़ी काली जी मंदिर में इस नवरात्र करीब 07 लाख श्रद्धालुओं ने मां के दर्शन किए. मंदिर के प्रबंधक राज सिंह ने बताया कि मंदिर के पर्यटन विकास के लिए प्रदेश सरकार की ओर से 227.83 लाख रुपये से अधिक की धनराशि स्वीकृत की गई है।

राजापुर पुलिस की सतर्कता से सुरक्षित माहौल में संपन्न हुआ गरबा डांस कार्यक्रम

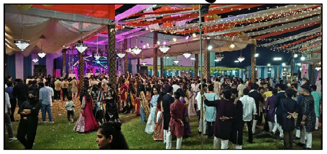

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

लखीमपुर खीरी। स्थानीय युवराज पैलेस में आयोजित भव्य गरबा डांस कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में संपन्न हो गया। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था को चाक–चौबंद रखने में राजापुर पुलिस चौकी के पुलिसकर्मियों की भूमिका बेहद सराहनीय रही।

कार्यक्रम के आयोजकों और स्थानीय नागरिकों ने राजापुर पुलिस चौकी के पुलिसकर्मियों की कर्तव्यनिष्ठा और सजगता की खुले दिल से प्रशंसा की है। लोगों का कहना है कि त्योहारों और सांस्कृतिक आयोजनों के दौरान पुलिस प्रशासन की ऐसी मुस्तैदी आम जनता में क्षा का भाव पैदा करती है।

भीड़भाड़ वाले इस कार्यक्रम में कानून–व्यवस्था और शांति बनाए रखने के लिए राजापुर पुलिस चौकी के सभी पुलिसकर्मियों को उनकी कड़ी मेहनत और सराहनीय सेवा के लिए हृदय से धन्यवाद दिया गया है।

डीएम एवं एसपी ने पोलिंग पार्टी रवानगी स्थल का किया निरीक्षण

हरदोई,संवाददाता। जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने लखनऊ खण्ड शिक्षक एवं खण्ड स्नातक निर्वाचन–2026 को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से राजकीय इण्टर कॉलेज, हरदोई स्थित पोलिंग पार्टी रवानगी स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मौके पर मौजूद संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्वाचन प्रक्रिया को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने निर्वाचन से संबंधित सभी व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने तथा निर्वाचन आयोग के निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी के आदेश पर मतदान के दिन जिले के परिषदीय, माध्यमिक, मान्यता प्राप्त, सहायता प्राप्त, सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड से जुड़े नर्सरी से कक्षा 12 तक के स्कूल बंद रहेंगे। बेसिक शिक्षा अधिकारी और जिला विद्यालय निरीक्षक ने जानकारी दी है।

श्री नारायण गर्ल्स कॉलेज में करियर काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। श्री नारायण गर्ल्स पी.जी. महाविद्यालय में आज जिला सेवायोजन कार्यालय एवं मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के संयुक्त तत्वावधान में करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्या डॉ. सुरभि मिश्रा एवं जिला सेवायोजन अधिकारी श्रीमती प्रीति चंद्रा के मार्गदर्शन में हुए इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को रोजगार के अवसरों और प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति जागरूक करना था।

मुख्य वक्ता और मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के प्रवक्ता अनुपम सिंह ने विद्यार्थियों को रुचि व योग्यता के अनुसार समय पर लक्ष्य निर्धारित करने और अनुशासित रहकर परिश्रम करने के लिए प्रेरित किया। वहीं, सहायक सेवायोजन अधिकारी श्रीमती आस्था सिन्हा ने सिविल सेवा, पुलिस, रेलवे और बैंकिंग परीक्षाओं की तैयारी की रणनीति साझा की। उन्होंने बताया कि युवा जिला सेवायोजन कार्यालय में पंजीकरण कराकर रोजगार की जानकारी और अभ्युदय योजना के तहत निःशुल्क कोचिंग का लाभ उठा सकते हैं। इस अवसर पर डॉ. मनीषा चौहान, डॉ. सलमा नसीम और डॉ. सुनीलिमा सहित महाविद्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा।यदि आप इसमें कोई और बदलाव चाहते हैं या इसके लिए आकर्षक हेडिंग्स के विकल्प देखना चाहते हैं, तो अवश्य बताएं।

विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत परिजनों ने लगाया दहेज हत्या का आरोप

लोक हस्तक्षेप संवाददाता, उन्नाव। पुरवा थाना क्षेत्र में एक विवाहिता की ससुराल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतका के मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर दहेज के लिए हत्या करने का आरोप लगाया है। मृतका की पहचान 22 वर्षीय राखी के रूप में हुई है। राखी की शादी करीब चार साल पहले हुई थी और उसके दो बच्चे हैं, जिनमें एक बेटा और एक बेटी शामिल हैं। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

फिलहाल, मामले में पुलिस की जांच और आधिकारिक कार्रवाई से जुड़ी जानकारी सामने आना बाकी है। मामला उन्नाव के पुरवा थाना क्षेत्र के खड़गी खेड़ा गांव का है। मृतका राखी, तौरा गांव की रहने वाली थी। उसकी शादी करीब चार साल पहले हुई थी। मृतका के परिजनों का आरोप है कि दहेज को लेकर राखी की हत्या की गई है। हालांकि, मौत की असल वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

तुष्टीकरण और अराजकता की राजनीति करती है सपा : ब्रजेश पाठक

अखिलेश यादव के रामपुर जेल में आजम खान से मिलने पर उप मुख्यमंत्री ने साधा निशाना

संवाददाता

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के रामपुर जिला जेल में आजम खान से मुलाकात के संदर्भ में सपा की राजनीति पर निशाना साधते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी का इतिहास तुष्टीकरण, भ्रष्टाचार और अराजकता की राजनीति से भरा रहा है।

उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव का आजम खान से मिलना कोई असामान्य बात नहीं है, लेकिन आजम खान जैसे नेताओं के पूर्व में दिए गए विवादित बयानों को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत माता के प्रति अपमानजनक टिप्पणियों और भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के प्रति अनादर से जुड़े बयानों को लेकर समाजवादी पार्टी को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

उपमुख्यमंत्री ने सपा सरकार के कार्यकाल पर सवाल उठाते हुए कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के शासनकाल में पुलिस प्रशासन से भैंसों की तलाश जैसे कार्य कराए जाने की घटनाएं प्रदेश की जनता को आज भी याद हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं तत्कालीन सरकार की प्राथमिकताओं और प्रशासनिक कार्यशैली पर सवाल खड़े करती हैं।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता अब विकास, सुशासन और बेहतर कानून–व्यवस्था को प्राथमिकता देती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, चिकित्सा सुविधाओं को सुदृढ़ करने और कानून–व्यवस्था को प्रभावी बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को आमजन तक पहुंचाने, चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार करने और जरूरतमंदों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। प्रदेश की जनता विकास और सुशासन के महत्व को समझती है तथा सरकार के कार्यों का आकलन अपने अनुभवों के आधार पर करती है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता जनसेवा और विकास के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रहे हैं। प्रदेश सरकार का लक्ष्य उत्तर प्रदेश को विकास, सुशासन और बेहतर जनसुविधाओं के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना है।

प्रदेश में 14 पीसीएस अधिकारियों के तबादले

निर्वाचन कार्यालय में लगाए गए तीन अफसर

लोक हस्तक्षेप समाचार

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने ब्रहस्पतिवार की रात 14 पीसीएस अफसरों को इधर से उधर कर दिया है। विधानसभा चुनाव को देखते हुए तीन पीसीएस अधिकारियों को विशेष कार्याधिकारी के रूप में तैनाती दी गई है। शिव प्रताप शुक्ला एडीएम (प्रशासन) झांसी से विशेष कार्याधिकारी मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय, संजय चावला एडीएम (प्रशासन) आजमगढ़ से एडीएम (प्रशासन) झांसी, सिद्धार्थ एडीएम (प्रशासन) रायबरेली से एडीएम (प्रशासन) आजमगढ़ बनाए गए हैं।

अशोक कुमार गुप्ता एसडीएम गोंडा से एडीएम (प्रशासन) रायबरेली, विकास सिंह सहायक नगर आयुक्त लखनऊ नगर निगम से एसडीएम गोंडा, राजीव कुमार शुक्ला अपर नगर आयुक्त प्रयागराज से एडीएम (वि/रा) आजमगढ़, देवेंद्र प्रताप सिंह एसडीएम उन्नाव से अपर नगर आयुक्त प्रयागराज, गौरव श्रीवास्तव एडीएम (वि/रा) सिद्धार्थनगर से विशेष कार्याधिकारी मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय बनाए गए हैं।

इसी तरह संदीप कुमार श्रीवास्तव एडीएम (न्यायिक) इटावा से एडीएम (वि/रा) सिद्धार्थनगर, मनोज प्रकाश एसडीएम जालौन से एडीएम (न्यायिक) इटावा, अंकित शुक्ला एसडीएम लखनऊ से एडीएम (प्रशासन) कानपुर देहात बनाए गए हैं। ण

नरेंद्र सिंह एडीएम (वि/रा) आजमगढ़ से एडीएम (न्यायिक) कानपुर देहात, आत्म प्रकाश श्रीवास्तव एसडीएम प्रयागराज से एडीएम (न्यायिक) सहारनपुर और अभिनव रंजन श्रीवास्तव अपर नगर आयुक्त नगर निगम लखनऊ से विशेष कार्याधिकारी मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय बनाए गए हैं।

यूपी के 18 मंडलों में पहुंचेगा Blue Dots AI युवाओं को मिलेगा डिजिटल मंच

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में कौशल विकास को रोजगार से जोड़ने और युवाओं के लिए अवसरों की उपलब्धता बढ़ाने की दिशा में तकनीक आधारित पहल को विस्तार दिया जा रहा है. इसी क्रम में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (यूपीएसडीएम) के 'ठसनम क्वजे ।प्' प्लेटफॉर्म को प्रदेश के सभी 18 मंडलों तक पहुंचाने की तैयारी है। इसके माध्यम से स्थानीय स्तर पर उपलब्ध नौकरियों और हुनरमंद युवाओं को एक साझा डिजिटल मंच पर लाया जाएगा, ताकि युवाओं को उनकी योग्यता के अनुरूप रोजगार तलाशने में आसानी हो और उद्योगों को अपनी जरूरत के मुताबिक योग्य उम्मीदवार मिल सकें।

मिशन निदेशक पुलकित खरे के निर्देशन में गुरुवार को उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन और एक स्टेप फाउंडेशन के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए. इसके साथ जून से संचालित इस पहल को औपचारिक रूप से मिशन से जोड़ दिया गया है. यह पहल प्रदेश में कौशल प्रशिक्षण को उद्योगों की वास्तविक मांग से जोड़ने तथा रोजगार तलाशने की प्रक्रिया को अधिक सुलभ बनाने के प्रयासों को गति देगी.

डिजिटल मैप पर युवाओं को दिखेंगी नौकरियां

^Blue DotsAI* एक डिजिटल डिस्कवरी प्लेटफॉर्म है, जहां मैप के माध्यम से आसपास उपलब्ध नौकरियों और उम्मीदवारों की जानकारी प्राप्त की जा सकेगी. गाजियाबाद में इसके पायलट प्रोजेक्ट के दौरान 20 से 25 किलोमीटर के दायरे में 25 हजार से अधिक नौकरियों को मैप पर खोजने योग्य बनाया गया है। अब इसी अनुभव के आधार पर प्लेटफॉर्म का विस्तार प्रदेश के सभी 18 मंडलों में करने की योजना है. इसके माध्यम से युवा संबंधित कंपनी, रिक्त पदों की संख्या, शुरुआती वेतन, ओवरटाइम तथा पिक–अप और ड्रॉप जैसी सुविधाओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे. वहीं, कंपनियां भी अपनी जरूरत के अनुसार उम्मीदवारों के प्रोफाइल तलाश सकेंगी. इससे स्थानीय स्तर पर उपलब्ध रोजगार के अवसरों और प्रशिक्षित युवाओं के बीच सीधा संपर्क स्थापित करने में मदद मिलेगी।

प्लेटफॉर्म पर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), मैन्युफैक्चरिंग और रिटेल क्षेत्र की नौकरियों को प्रमुखता से शामिल किया जाएगा. इनमें अपैरल, फूड एंड बेवरेज जैसे क्षेत्रों के साथ वेल्डर, इलेक्ट्रीशियन और मशीन ऑपरेटर जैसे तकनीकी पद भी शामिल होंगे. इससे स्थानीय उद्योगों की मानव संसाधन संबंधी जरूरतों को पूरा करने और युवाओं को उनके कौशल के अनुरूप अवसर उपलब्ध कराने में सहायता मिलने की उम्मीद है.

^Blue DotsAI* की प्रमुख विशेषता एआई आधारित वॉइस बॉट है. इसके जरिए कंपनियां और इंडस्ट्री एसोसिएशन हिंदी, अंग्रेजी या अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में बोलकर अपनी भर्ती संबंधी जरूरतें दर्ज करा सकेंगे. इससे वैकेंसी की जानकारी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराने की प्रक्रिया आसान होगी। वहीं, एआई वॉइस बॉट उम्मीदवारों से संपर्क कर उनकी प्रोफाइल के अनुरूप उपलब्ध नौकरियों की जानकारी दे सकेगा. उम्मीदवार की सहमति से आवेदन प्रक्रिया में भी सहायता मिलेगी. इसके साथ काउंसलिंग, मॉक इंटरव्यू और इंडस्ट्री एसोसिएशन के साथ सीधे संवाद की व्यवस्था के माध्यम से युवाओं को रोजगार के लिए तैयार करने पर भी जोर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में युवाओं को कौशल प्रशिक्षण, रोजगारपरक शिक्षा और उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप दक्षता विकसित करने के अवसरों से जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है. 'ठसनम क्वजे ।प्' इसी दिशा में तकनीक आधारित प्रयास है, जिसके जरिए प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं की क्षमताओं और नियोक्ताओं की जरूरतों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने का लक्ष्य है।

मिशन निदेशक पुलकित खरे के अनुसार, लक्ष्य यह है कि युवाओं को रोजगार की तलाश में अनावश्यक भटकना न पड़े और स्थानीय स्तर पर उपलब्ध अवसरों तक उनकी पहुंच आसान हो. डिजिटल मैप, एआई वॉइस बॉट और काउंसलिंग जैसी सुविधाओं के जरिए रोजगार की तलाश और भर्ती प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में काम किया जाएगा।

स्वच्छ मण्डी-शुभ मण्डी अभियान के शेष कार्य दीवाली से पूर्व कराएं पूर्ण : निदेशक

किसानों को स्वच्छ एवं बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता : जितेन्द्र प्रताप सिंह

लोक हस्तक्षेप समाचार

लखनऊ। राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद के निदेशक जितेन्द्र प्रताप सिंह ने स्वच्छ मण्डी–शुभ मण्डी अभियान के अन्तर्गत शेष कार्यों को दीवाली से पूर्व पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यालय स्तर से गहन अनुश्रवण के लिए तैनात टीमों द्वारा नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए तथा सभी लंबित कार्यों को निर्धारित समय–सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा कराया जाए।

मण्डी परिषद के निदेशक ने ये अभियान की समीक्षा बैठक के दौरान दिए। उन्होंने कहा कि सभी मंडियों में स्वच्छता एवं सुविधाओं के मानकों का अनुपालन किया जाए। अभियान के तहत मंडियों में स्वच्छता, साफ–सफाई और आधारभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए किए गए प्रयासों को निरंतर बनाए रखा जाए, ताकि किसानों को स्वच्छ, सुव्यवस्थित एवं बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

श्री सिंह ने निर्देश दिए कि मंडी परिसरों में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जाए तथा कूड़े के ढेर, बंद नालियों, जलभराव वाले स्थानों, शौचालयों, नीलामी चबूतरों, दुकानों और किसान विश्राम गृहों की साफ–सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि मंडियों में स्वच्छता केवल अभियान तक सीमित न रहे, बल्कि वर्षभर साफ–सफाई एवं आधारभूत सुविधाओं के रखरखाव के लिए स्थायी और प्रभावी व्यवस्था विकसित की जाए। इसके लिए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जिम्मेदारी निर्धारित करते हुए नियमित अनुश्रवण और रखरखाव सुनिश्चित किया जाए, ताकि मंडियों का वातावरण स्वच्छ एवं किसानों के अनुकूल बना रहे। निदेशक ने फोटोग्राफ्स के माध्यम से अभियान के दौरान प्रदेश की मंडियों में किए गए कार्यों एवं वहां की वर्तमान स्थिति का अवलोकन किया। अभियान के दौरान मंडियों के प्रवेश एवं निकास द्वारों की पेंटिंग और साफ–सफाई, नालियों की सफाई, सड़कों एवं भवनों की सफाई तथा कूड़े का निस्तारण कराया गया। किसान विश्राम गृहों की साफ–सफाई एवं पेंटिंग, नीलामी चबूतरों की सफाई और क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत, मंडी समिति कार्यालयों की सफाई एवं पेंटिंग तथा मुख्य चहारदीवारी की पेंटिंग के कार्य किए गए।

मंडियों में प्रकाश व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए उपकरणों की मरम्मत, पेयजल सुविधाओं को बेहतर बनाने, शौचालयों की सफाई एवं पेंटिंग तथा विभिन्न योजनाओं को पेंटिंग के माध्यम से प्रदर्शित करने जैसे कार्य भी कराए गए।

विधान परिषद चुनावों के मद्देनजर 23 एवं 27 अक्तूबर को बंद रहेंगी शराब की दुकानें

लखनऊ संवाददाता। शुक्रवार 23 अक्तूबर को प्रदेश के 72 जिलों में होने जा रहे विधान परिषद चुनाव के दृष्टिगत शराब की बिक्री पूरी तरह प्रतिबन्धित रहेगा। इसी प्रकार से 27 अक्तूबर को मतगणना की वजह से भी मदिरा बिक्री पर प्रतिबन्ध रहेगा। इस संबंध में आबकारी आयुक्त की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि कानपुर नगर, कानपुर देहात व उन्नाव जिलों को छोड़ कर शेष सभी जिलों में लोक शान्ति बनाए रखनेई स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शान्तिपूर्ण मतदान एवं मतगणना कराए जाने के उद्देश्य से देशी–विदेशी शराब की बिक्री नहीं होगी। प्रतिबन्धित अवधि के दौरान शराब की दुकानें खोलने पर प्रशासन को सख्त विधिक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

बाढ़ पीड़ितों के लिए सात ट्रैक्टर–ट्रॉलियों में 10 हजार परिवारों तक पहुंचेगी मदद

संवाददाता

लखनऊ। फैजुल्लागंज में बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से देश के रक्षा मंत्री एवं लखनऊ के सांसद श् राजनाथ सिंह की प्रेरणा से राशन वितरण अभियान तेज कर दिया गया है। इसी क्रम में क्षेत्रीय विधायक डॉ. नीरज बोरा एवं रक्षामंत्री के विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) श्री के.पी. सिंह की मौजूदगी में महर्षि विद्या मंदिर से राशन किट से लदे हुए सात ट्रैक्टर–ट्रॉलियों को फैजुल्लागंज के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में रवाना किया गया। राशन किट अक्षय पात्र फाउंडेशन द्वारा उपलब्ध कराई गई हैं।

उल्लेखनीय है कि रक्षामंत्री एवं लखनऊ के सांसद श्री राजनाथ सिंह ने पिछले दिनों फैजुल्लागंज में दौरा किये जाने के उपरांत यहां के 10 हजार परिवारों को राशन उपलब्ध कराने की घोषणा की थी। इसी घोषणा के क्रम में आज न्यू दाउदनगर, वैष्णवीपुरम, पीली कॉलोनी, दुर्गापुरी, नंदपुरम, कृष्ण लोक सहित विभिन्न बाढ़ प्रभावित कॉलोनियों में राशन किट का वितरण किया जाएगा, ताकि जरूरतमंद परिवारों को इस कठिन समय में आवश्यक खाद्य सामग्री उपलब्ध हो सके। राशन किट में आटा, चावल, अरहर की दाल, सरसों का तेल, चीनी, अचार, मसाला, आलू, नमक,प्याज समेत अन्य कई आवश्यक सामग्री शामिल है। इस अवसर पर विधायक डॉ. नीरज बोरा ने कहा कि फैजुल्लागंज के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के प्रत्येक जरूरतमंद परिवार तक राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। इसके लिए हमारे कार्यकर्ता सेवा भाव से जुटे हुए है। उन्होंने कहा कि माननीय रक्षामंत्री श्री राजनाथ सिंह का स्पष्ट मानना है कि संकट की इस घड़ी में बाढ़ प्रभावित परिवारों की सहायता करना और उनके साथ मजबूती से खड़े रहना हमारा दायित्व है। जनसेवा और जरूरतमंदों की मदद के संकल्प के साथ राहत कार्य लगातार जारी हैं।

राहत सामग्री रवाना किए जाने के अवसर पर रक्षामंत्री के विशेष कार्याधिकारी के.पी. सिंह, विनोद बाजपेयी, मंडल अध्यक्ष शैलेन्द्र मौर्य, पार्षद श्रीमती रश्मि सिंह, प्रदीप शुक्ला, अंकुश बाजपेयी, विजय सिंह, राम शरण सिंह, सुनील सिंह, कृपा शंकर मिश्रा, लवकेश सिंह, अनुराग साहू, प्रवीन गर्ग, श्रेया निगम, सौरभ मिश्रा, दिव्यांशी शुक्ला, पुनीत शुक्ला सतीश वर्मा एवं सौरभ मिश्रा सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्रद्धा दुबे से पुलिस ने की साढ़े 6 घंटे पूछताछ

10 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल गई मॉडल

लखनऊ। कारोबारी शिवा की हत्यारोपी मॉडल श्रद्धा दुबे उसकी बहन रश्मि और ड्राइवर दानिश से पुलिस ने करीब साढ़े छह पूछताछ की। फिर कारोबारी शिवा की हत्यारोपी मॉडल श्रद्धा दुबे उसकी बहन रश्मि और ड्राइवर दानिश को हजरतगंज पुलिस ने गुरुवार को कोर्ट में पेश किया। वहां से तीनों को 10 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। इससे पहले पुलिस ने श्रद्धा दुबे उसकी बहन रश्मि और ड्राइवर दानिश साढ़े छह घंटे पूछताछ की। पुलिस ने 120 सवाल किए। पुलिस ने मंगलवार दोपहर तीनों को नागपुर के बेतलारोड़ी इलाके के एक फ्लैट से गिरफ्तार किया था।

पुलिस टीम सुबह करीब पौने 10 बजे हजरतगंज कोतवाली लेकर पहुंची थी। यहां तीनों को पुलिस उपायुक्त मध्य अर्पित विजयवर्गीय के सर्विलांस कार्यालय में रखा गया। साढ़े चार बजे तक करीब छह घंटे पूछताछ की गई। देर शाम कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में तीनों हत्यारोपियों को प्रभारी सीजेएम बलवंत भारती की कोर्ट में पेश किया गया। वहां से 31 अक्तूबर तक के लिए न्यायिक हिरासत में तीनों को जेल भेज दिया गया।

डीसीपी मध्य के सर्विलांस कार्यालय में साढ़े छह घंटे की पूछताछ में पुलिस ने शिवा की हत्या, साजिश और 11 दिन की फरारी के दौरान मददगारों समेत तमाम बिंदुओं पर तीनों हत्यारोपियों से 120 सवाल दागे। पुलिस के सवालों के जवाब में श्रद्धा ने पूर्व में जारी किए वीडियो की बातें दोहराई। कई सवालों के गोलमोल जवाब दिए।

खुद को निर्दोष बताया और कहा कि नौ अक्टूबर को झगड़े के बाद शिवा ने फ्लैट से कूदकर जान दी थी। पुलिस ने जब फरारी के दौरान किस–किस ने मदद की? यह सवाल किया तो इस पर श्रद्धा चुप रही और टाल गई। पुलिस को दोनों बरामद मोबाइल से कुछ संदिग्ध नंबर मिले हैं। उनके बारे में पुलिस पड़ताल कर रही है। पुलिस के निशाने पर श्रद्धा के कई करीबी हैं। पुलिस जल्द ही उन पर भी कार्रवाई करेगी। पुलिस ने श्रद्धा के पास से एक आईफोन समेत दो मोबाइल और 25 हजार रुपये बरामद हुए।

श्रद्धा ने बताया कि उसका और बहन का पुराना मोबाइल फोन नेपाल में कहीं गायब हो गया। माना जा रहा है कि साजिश के तहत श्रद्धा ने इन मोबाइलों को गायब किया है। इन्हीं मोबाइलों में श्रद्धा और उसके हाईलेवल कनेक्शन के अहम राज छुपे हैं। पुलिस की टीमें उन मोबाइलों की खोजबीन में लगी हैं। चर्चा है कि इस दौरान कोतवाली के आस पास और अंदर अधिवक्ता के वेश में श्रद्धा के कई मददगार भी घूमते रहे।

श्रद्धा के पास से बरामद आईफोन और एक अन्य मोबाइल में पुलिस को सिम नहीं मिले हैं। उसने सिम कहीं तोड़कर फेंक दिए। वाईफाई और हाटस्पॉट से वह मोबाइल चला और व्हाट्सएप चला रही थी। नौ अक्तूबर के बाद की कई व्हाट्सएप चौट श्रद्धा और उसके ड्राइवर दानिश ने डिलीट कर दी। पुलिस ने दोनों मोबाइलों को सील कर फोरेंसिक लैब में डेटा रिकवरी के लिए भेजा है।

हत्यारोपी पक्ष के अधिवक्ता ने प्रभारी सीजेएम कोर्ट में आरोपी श्रद्धा दुबे उसकी बहन रश्मि दुबे, ड्राइवर दानिश न्यायिक रिमांड न स्वीकृत करने की अर्जी डाली थी। प्रभारी सीजेएम बलवंत कुमार ने यह अर्जी खारिज कर दी।

सेंट मेरिज स्कूल परिसर में रात को तेंदुआ दिखाई देने से मची अफरा-तफरी

वन विभाग ने तलाश के लिए तीन टीमें गठित कीं

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

वाराणसी। वाराणसी के छावनी क्षेत्र में स्थित सेंट मेरिज स्कूल परिसर में गुरुवार की भोर में करीब साढे तीन बजे तेंदुआ दिखाई देने से स्कूल प्रबंधन में अफरा–तफरी मच गई। डर के मारे कर्मचारी परिसर के कमरे में छिप गए। परिसर में लगे सीसीटीवी फुटेज में तेंदुआ जाता दिखाई पड़ रहा है। सूचना मिलते ही कैंट पुलिस के साथ वन विभाग की टीम पहुंच गई।

प्रभागीय वनाधिकारी की मौजूदगी में वन और स्कूल कर्मियों ने परिसर को खंगाला लेकिन वह कहीं दिखाई पड़ा। तेंदुआ परिसर में आया था की नहीं, यदि आया तो किस दिशा से आ सकता है। किस दिशा में गया होगा, इसकी जांच करने के लिए प्रभागीय वनाधिकारी ने तीन टीमें गठित कर दी है। प्राथमिक जांच में वन कर्मियों को तेंदुआ के पैर के निशान नहीं मिले।

सेंट मेरिज स्कूल में दशहरा और भरत मिलाप के चलते अवकाश है। बुधवार की रात सुरक्षा कर्मी राजेंद्र कुमार ड्यूटी पर थे। गुरुवार की भोर में करीब साढ़े तीन बजे उन्हें कुत्तों के भौंकने की आवाज सुनाई पड़ी तो वह देखने चले गए। उन्हें लगा कि तेंदुआ है और सतर्कता बरतते हुए तत्काल स्कूल प्रबंधन को इसकी सूचना दी। सुरक्षा को देखते हुए परिसर में टहल रहे कर्मचारियों को अंदर कर दिया गया।

स्कूल प्रबंधन के सीसीटीवी फुटेज तेंदुआ जाता हुआ दिखाई पड़ रहा है। वन विभाग की टीम ने सीसीटीवी फुटेज में दिखे तेंदुआ स्थल और परिसर में भ्रमण कर उसके पैर के निशान को देखना चाहा लेकिन उन्हें नहीं मिले। इस बारे में स्कूल की सिस्टर जमीला ने बताया कि परिसर को वन कर्मियों ने देखा लेकिन उन्हें कहीं तेंदुआ दिखाई नहीं पड़ा।

चंदौली से गंगा किनारे से होते हुए वरुणा नदी के रास्ते तेंदुआ शहर के बीच सेंट मेरिज स्कूल में आ सकता है। क्योंकि आबादी और शोर के बीच कोई भी जंगली जानवर नहीं आते हैं। चौबेपुर क्षेत्र के ढाब क्षेत्र में पिछले वर्षों तेंदुआ को देखा गया है। वहां पैर के निशान भी मिले थे।कई दिनों तक तलाश करने के बाद भी तेंदुआ किसी को नहीं मिला।

एमएलसी चुनावः राजधानी में कल स्कूल–कालेज बंद

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद द्विवार्षिक चुनाव–2026 के लिए 23 अक्टूबर को होने वाले मतदान के चलते लखनऊ मंडल के सभी जिलों में शिक्षण संस्थानों में विशेष अवकाश घोषित किया गया है। लखनऊ के कक्षा 12वीं तक के सभी स्कूल, डिग्री कॉलेज और यूनिवर्सिटी कल बंद रहेंगी। इसके साथ ही चुनाव में पंजीकृत स्नातक और शिक्षक मतदाताओं को वोट डालने के लिए विशेष आकस्मिक अवकाश दिया गया है, जो निजी क्षेत्र के कर्मचारियों पर भी लागू होगा। जिला प्रशासन के आदेशानुसार, शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए शुक्रवार को शहर के सभी बार, मॉडल शॉप और शराब के ठेके भी पूरी तरह बंद रहेंगे।

संपादकीय

राष्ट्रीय एकता के सूत्र

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्थापना दिवस पर होने वाले बहुचर्चित दशहरा संबोधन में संघ प्रमुख ने कहा कि हम सुनिश्चित करें कि हमारी समस्याओं का समाधान विरोध–प्रदर्शनों के बजाय समाज के भीतर से निकले। साथ ही कहा कि भारत को तोड़ने की कोशिशें सफल नहीं होंगी। यह अतार्किक है कि सत्ता बदलने से परिस्थितियां बदल जाएंगी। अतीत में भी ऐसा नहीं हुआ और भविष्य में भी न होगा। दरअसल, देश में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ एसआईआर में कथित अपारदर्शिता को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों और बाद में 'रिजीम चेंज' के बयानों के आलोक में भागवत ने ये टिप्पणी की। साथ ही यह भी कहा कि हाल के वर्षों में देश ने तमाम विषम–परिस्थितियों के बावजूद जो आशातीत प्रगति की है,उसे बाधित न कर पाने वाली विदेशी ताकतें हमारी एकता को तोड़ने की कोशिशें कर रही हैं। उनका मानना था कि जब विरोध–प्रदर्शनों की तपिश पर राजनीतिक दल रोटियां सेंकने लगते हैं तो आंदोलन का प्रयोग अराजकता व सार्वजनिक व्यवस्था को भंग करने में होता है। देश को विकसित राष्ट्र बनने के मार्ग से भटकाने वाली विदेशी ताकतों से नागरिकों को सतर्क रहने की जरूरत है। भागवत ने कहा कि पश्चिम से उठा एक तूफान– संस्कृति, व्यवस्था व सुरक्षा आदि को नष्ट करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने इस बाबत फ्रांस, बांग्लादेश और नेपाल आदि के उदाहरण देकर, इन देशों में हुए आंदोलनों के निहितार्थों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत में भी कुछ लोग ऐसी ही ताकतों का समर्थन करते नजर आते हैं। जिसके मूल में सत्ता हासिल करने की लालसा भी है। भागवत ने परतंत्र भारत में 'वंदे मातरम' को बंगाल की एकता के पर्याय के रूप में दर्शाया। उन्होंने कहा कि जब लॉर्ड कर्जन ने बंगाल को धार्मिक आधार पर विभाजित करने का प्रयास किया तो समाज ने इसका दृढ़ता से विरोध किया। मजबूरन ब्रिटिश सरकार को अपना निर्णय बदलना पड़ा। विडंबना यह रही कि देश की आजादी के समय ऐसा न हो सका क्योंकि लोग नफरत में उलझ गए और राष्ट्रीय एकता को भूल गए। अंग्रेजों ने लोगों में यह धारणा बैठा दी कि हम अलग दिखते हैं, अतरू हकीकत में भी अलग और एक–दूसरे से दूर होने चाहिए। दरअसल, सांप्रदायिक और चरमपंथी विचारधाराओं का प्रभाव लोगों पर पड़ा। राजनीतिक वर्चस्व की लालसा और कुछ लोगों की स्वार्थपूर्ति के चलते हमने राष्ट्रीय एकता के सिद्धांतों का त्याग कर दिया। तुष्टीकरण की सोच के चलते राष्ट्र का विभाजन हुआ। दरअसल, भागवत की टिप्पणी उन बयानों के जवाब में थी, जिसमें एसआईआर में अनियमितताओं के विरोध में उपजे आंदोलन को सत्ता परिवर्तन की लड़ाई बताया जा रहा था। संघ प्रमुख ने विकास से उपजी चुनौतियों पर भी दृष्टिपात किया। उन्होंने कहा कि विकास मनुष्य के लिए प्रतिकूल परिणाम पैदा करने वाला नहीं होना चाहिए। उनका इशारा विकास और पर्यावरण असंतुलन के कारण नेपाल में आई भयावह जलप्रलय की ओर था। उन्होंने भारत, चीन व नेपाल में विस्तृत हिमालय पर अनियोजित व पर्यावरण विरोधी विकास के खतरों के प्रति चेताया। साथ ही कहा कि विकास की कीमत लोगों को जान देकर नहीं चुकानी चाहिए। उन्होंने कहा कि विज्ञान व तकनीक की प्रगति से किसी को परहेज नहीं होना चाहिए लेकिन यह विकास पर्यावरण और नैतिकता की अनदेखी न करे। साथ ही उन्होंने भारत की धार्मिक, भाषायी और खानपान की विविधता को अक्षुण्ण रखने पर भी बल दिया। दूसरी ओर आम नागरिकों की चिंता के साथ ही भागवत भी विदेशी शक्तियों द्वारा डिजिटल प्लेटफॉर्म पर संचालित सोशल मीडिया के खतरों के प्रति सचेत दिखे। उन्होंने माना कि ये लोगों को विवेक से हटाकर उनकी सोच को दुष्प्रभावित कर रहा है।

दीयों की कतार और नोटों की दरकार

राम हमारे नारों में स्थायी हैं, आदर्शों में अस्थायी। लक्ष्मी हमारी प्रार्थनाओं में भी हैं और प्राथमिकताओं में भी।

रावण का तो तिया–पांचा कर दिया। अब रामजी के आने की प्रतीक्षा है, जब दिवाली मनेगी। पर दीपावली में एक छोटा–सा सवाल है, जो हर साल लाखों दीयों की रोशनी में भी दिखाई नहीं देता। लौटकर राम आए थे, तो इंतजार लक्ष्मी का क्यों है? राम के स्वागत में दीप जलाए गए थे, लेकिन अब दीप ऐसे जलाए जाते हैं, मानो लक्ष्मी को घर का पता समझाने के लिए पूरी अयोध्या में लाइटिंग करनी पड़ रही हो! आंगन में दीपों की कतार है, मन में नोटों की दरकार है। राम ने पिता के वचन के लिए राजपाट छोड़ दिया। हम थोड़ी–सी जमीन के लिए भाई से बोलचाल बंद कर देते हैं। राम ने वनवास स्वीकार किया, हम पांच मिनट की असुविधा में अपना धैर्य खो देते हैं। राम ने शत्रु के साथ भी मर्यादा रखी, हम अपने प्रतिद्वंद्वी की बर्बादी में अपनी सफलता खोजते हैं।

घर की सफाई कई दिन पहले शुरू हो चुकी है। पर्दे बदल दिए हैं, सोफे चमक गए हैं, बर्तन दमक गए हैं, दीवारें नई दिखने लगी हैं। मगर मन के भीतर जमा लालच, छल, ईर्ष्या और बेईमानी की सफाई का कोई मुहूर्त नहीं निकला। घर के जाले हट जाते हैं, विचारों के जाले नहीं। दरवाजे पर लक्ष्मीजी के स्वागत में रंगोली बनती है, लेकिन व्यवहार ऐसा है कि कोई जरूरतमंद दरवाजे पर आ जाए, तो उसे बाहर का रास्ता दिखा दिया जाए। लक्ष्मीजी के चरणों के लिए पूरा घर साफ है, मगर राम के आदर्शों के लिए चरित्र में जगह नहीं है। कुछ लोग तो पटाखे भी पड़ोसियों को जलाने के लिए फोड़ते हैं।

और हमारी पूजा की व्यवस्था भी कम दिलचस्प नहीं है। कमाई चाहे जैसे हुई हो, नोटों की गड्डी पर रोली लगनी चाहिए। कारोबार में तौल कम हो, मजदूर की मजदूरी दबाई गई हो, टैक्स बचाने के सौ रास्ते निकाले गए हों, कोई बात नहीं! पूजा के समय खाताबही पर स्वस्तिक बन गया, तो मानो हिसाब–किताब का आध्यात्मिक ऑडिट भी पूरा हो गया। ईश्वर के सामने हम अपनी कमाई का हिसाब नहीं रखते, केवल अपनी कमाई रखते हैं।

राम हमारे नारों में स्थायी हैं, आदर्शों में अस्थायी। लक्ष्मी हमारी प्रार्थनाओं में भी हैं और प्राथमिकताओं में भी। समस्या लक्ष्मी की पूजा में नहीं, समस्या तब पैदा होती है, जब लक्ष्मी की चाह में राम के मूल्य गिरवी रख दिए जाएं।

इतिहास की पाठ्य पुस्तकें : ज्ञान का विस्तार या वैचारिक संकुचन

अरुण कुमार डनायक

इतिहास केवल अतीत की घटनाओं का लेखा–जोखा नहीं, बल्कि वर्तमान को समझने और भविष्य के प्रति विवेकपूर्ण दृष्टि विकसित करने का माध्यम भी है। समाज अपने अतीत को किस तरह देखता है, किन घटनाओं को महत्व देता है और उनकी व्याख्या किन आधारों पर करता है, इससे उसकी सामूहिक चेतना निर्मित होती है। इसलिए विद्यालयों में इतिहास पढ़ाने का प्रश्न केवल पाठ्यक्रम या परीक्षा तक सीमित नहीं है। इसका संबंध वैज्ञानिक दृष्टिकोण, लोकतांत्रिक मूल्यों और स्वतंत्र चिंतन से भी है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की पाठ्यपुस्तकों में बदलाव का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और राष्ट्रीय विद्यालयी शिक्षा पाठ्यचर्या रूपरेखा 2023 के अनुरूप शिक्षा को अधिक उपयोगी और विद्यार्थियों की क्षमताओं के अनुकूल बनाना है। नए शोध को स्थान देना और पुरानी त्रुटियों को सुधारना आवश्यक है, लेकिन बदलावों का मूल्यांकन उनकी नवीनता या सरकार के समर्थन के आधार पर नहीं, बल्कि उनके शैक्षणिक औचित्य, प्रमाणों की विश्वसनीयता, प्रस्तुति की निष्पक्षता और विद्यार्थियों के ज्ञान–विवेक पर पड़ने वाले प्रभाव के आधार पर होना चाहिए। भारतीय इतिहास–लेखन स्वयं विभिन्न दृष्टिकोणों और बहसों से विकसित हुआ है। औपनिवेशिक इतिहासकारों ने भारतीय अतीत को हिंदू, मुस्लिम और ब्रिटिश कालखंडों में बांटकर धर्म को इतिहास की व्याख्या का प्रमुख आधार बनाया। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान राष्ट्रीय चेतना से प्रेरित इतिहासकारों ने इस दृष्टिकोण का प्रतिवाद किया और भारतीय अतीत को व्यापक सामाजिक–सांस्कृतिक संदर्भों में समझने का प्रयास किया। बाद के दौर में धर्मनिरपेक्ष और वामपंथी दृष्टिकोणों से प्रेरित इतिहासकारों ने जाति, वर्ग, उत्पादन संबंधों, धार्मिक संस्थाओं और सांस्कृतिक आदान–प्रदान का अध्ययन करते हुए भारतीय इतिहास की सामाजिक और आर्थिक संरचनाओं का विश्लेषण किया। इतिहास की विश्वसनीयता उसके प्रमाणों और स्रोतों की प्रकृति पर निर्भर करती है। अभिलेख, सिक्के, स्थापत्य, यात्रियों के वृत्तांत, साहित्यिक रचनाएं और धार्मिक ग्रंथ अलग–अलग प्रकार की जानकारी देते हैं। इसलिए किसी पौराणिक या साहित्यिक प्रसंग को ऐतिहासिक तथ्य मानने से पहले उसके रचनाकाल और संदर्भ की जांच आवश्यक है। किसी राजा को देवी से तलवार मिलने की कथा को प्रमाण के बिना ऐतिहासिक तथ्य नहीं माना जा सकता। इसी तरह, पर्दा और घूंघट को केवल इस्लामी आक्रमणों का परिणाम मानना भी सरलीकरण होगाय इनके विकास को व्यापक सामाजिक और ऐतिहासिक संदर्भों में समझना चाहिए। परंपरा का सम्मान करने और उसके दावों की प्रमाणों के आधार पर जांच करने में कोई विरोध नहीं है। यही प्रमाण–आधारित दृष्टिकोण मध्यकालीन इतिहास पर भी लागू होना चाहिए। कक्षा नौ की नई सामाजिक विज्ञान की पुस्तक में राजपूतों, अहोमों, मराठों, सिखों और जाटों सहित विभिन्न क्षेत्रीय शक्तियों के प्रतिरोध को प्रमुखता देना उचित है, विशेषकर यदि पहले उन्हें पर्याप्त स्थान नहीं मिला। लेकिन इतिहास को केवल आक्रमणों और युद्धों तक सीमित करने के बजाय उनके राजनीतिक–आर्थिक कारणों, शासकों के उद्देश्यों तथा उस दौर के सहयोग और सांस्कृतिक आदान–प्रदान को भी समझाना आवश्यक है। नई सामाजिक विज्ञान पुस्तक में भारतीय मध्यकालीन इतिहास को अधिक स्थान मिला है, जबकि फ्रांसीसी और रूसी क्रांतियों, यूरोप में समाजवाद तथा नाजीवाद के उदय जैसे विषय पुरानी पुस्तक की तुलना में हट गए हैं। भारतीय इतिहास को अधिक स्थान देना अपने–आप में अनुचित नहीं, लेकिन विश्व इतिहास की इन महत्वपूर्ण घटनाओं को हटाने से विद्यार्थियों की ऐतिहासिक समझ कितनी व्यापक होगी, इस पर विचार आवश्यक है। मुगल शासकों और राजपूतों के संबंधों में संघर्ष और गठबंधन, दोनों देखने को मिलते हैं। अनेक राजपूत शासक मुगल प्रशासन और सेना में शामिल हुए, जबकि कुछ ने प्रतिरोध किया।

विभिन्न मुस्लिम शासकों की नीतियां भी एक जैसी नहीं थीं और हिंदू शासकों के बीच भी सत्ता तथा संसाधनों के लिए संघर्ष होते थे। इसलिए किसी शासक के राजनीतिक निर्णयों को केवल उसकी धार्मिक पहचान से नहीं समझा जा सकता। धार्मिक स्थलों पर हमले, संरक्षण, जबरन धर्मांतरण और धार्मिक भेदभाव जैसी घटनाओं का उल्लेख प्रमाणों के आधार पर होना चाहिए। हिंसा को छिपाना और सहयोग व सहिष्णुता की उपेक्षा करना, दोनों अनुचित हैं। कुछ शासकों के कृत्यों के आधार पर पूरे समुदाय या सदियों के इतिहास को दोषी ठहराना उतना ही अवैज्ञानिक है, जितना असुविधाजनक तथ्यों को दबाना। स्वतंत्रता आंदोलन को भी व्यापक दृष्टि से समझना आवश्यक है। औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था, भूमि–राजस्व व्यवस्था, उद्योगों पर प्रभाव, शिक्षा, प्रेस, सामाजिक सुधारों और किसान–मजदूर संघर्षों को समझे बिना इसकी कहानी अधूरी रहती है। गांधी, नेहरू, सुभाषचंद्र बोस, भगत सिंह और सरदार पटेल सहित विभिन्न नेताओं के योगदान के साथ उनके मतभेदों को भी पढ़ाया जाना चाहिए। स्वतंत्रता आंदोलन करोड़ों लोगों के संघर्ष और राजनीतिक चेतना का परिणाम था। विद्यार्थियों को केवल तारीखें याद कराने के बजाय घटनाओं के कारण, परिणाम और उनके ऐतिहासिक महत्व को समझने का अवसर मिलना चाहिए। प्राचीन भारत की गणित, खगोलशास्त्र, चिकित्सा, धातुकर्म, दर्शन और साहित्य संबंधी उपलब्धियों को पाठ्यक्रम में उचित स्थान मिलना चाहिए। उनका अध्ययन केवल गौरवगान तक सीमित न रहकर उस समय की बौद्धिक और सामाजिक परिस्थितियों, उनके व्यावहारिक उपयोग तथा ज्ञान के प्रसार को भी सामने लाए। वैदिक गणित की गणना–पद्धतियों का परिचय उपयोगी है, लेकिन उन्हें आधुनिक गणित का विकल्प नहीं माना जाना चाहिए। इसी संदर्भ में डार्विन के विकासवाद का प्रश्न महत्वपूर्ण है। कुछ कक्षाओं की पुस्तकों से इससे संबंधित सामग्री हटाए जाने पर वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों ने आपत्ति की थी। दशावतार और विकासवाद के बीच प्रतीकात्मक समानता देखी जा सकती है, लेकिन पौराणिक आख्यान वैज्ञानिक सिद्धांतों के प्रमाण नहीं हैं। पाठ्यक्रम में वैज्ञानिक अवधारणाओं का स्थान धार्मिक या वैचारिक मान्यताओं के बजाय उनके शैक्षणिक महत्व और वैज्ञानिक आधार से तय होना चाहिए। गणित और विज्ञान में संगणकीय चिंतन तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे नए विषयों को स्थान देना उपयोगी है, बशर्ते इससे बुनियादी अवधारणाओं की समझ कमजोर न हो। इन बदलावों का मूल्यांकन इस आधार पर होना चाहिए कि वे विद्यार्थियों को विषयों की गहरी समझ और स्वतंत्र तार्किक चिंतन के लिए कितना सक्षम बनाते हैं। इन बदलावों के संदर्भ में सरकार और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की जवाबदेही महत्वपूर्ण है। पाठ्यक्रम संशोधनों के कारण और उनके आधार में प्रयुक्त शोध–सामग्री पारदर्शी होनी चाहिए तथा स्वतंत्र विशेषज्ञों की समीक्षा के लिए पर्याप्त अवसर मिलने चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप होना ही किसी बदलाव की शैक्षणिक उपयुक्तता का प्रमाण नहीं है। शिक्षा का उद्देश्य स्वतंत्र और विवेकपूर्ण निर्णय लेने वाले नागरिक तैयार करना है।

तेल के खेल में मोहरा बना भारत

सर्वमित्रा सुरजन

वैश्विक राजनीति पर दबदबा उसी का होता है, जो अर्थव्यवस्था को अपनी मर्जी से नचाना जानता है। एक समय था जब ग्रेट ब्रिटेन अपनी औद्योगिक क्रांति के कारण एक के बाद एक देशों को अपना गुलाम बनाता गया और औपनिवेशिक साम्राज्य स्थापित कर खुद की शक्ति और संपत्ति में अकूत इजाफा किया। आज ऐसा ही खेल अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप खेल रहे हैं, फर्क यही है कि भारत को गुलाम बनाए बिना उसे मोहरे की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। इन दिनों अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो भारत आए हुए हैं।

बुधवार को रूबियो गुजरात के जामनगर पहुंचे, जहां मुकेश अंबानी का बनाया तेल शोधन संयंत्र है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के स्वामित्व वाली दुनिया की सबसे बड़ी यह तेल रिफाइनरी रूस और वेनेजुएला समेत कई देशों से कच्चा तेल लेती है और उसे रिफाइन करके तैयार ईंधन वैश्विक बाजारों में भेजती है। पाठक जानते हैं कि वेनेजुएला में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो का आधी रात में अपहरण कर अमेरिका ने उन्हें अपनी जेल में रखा है और वेनेजुएला में अपने समर्थन से अंतरिम सरकार बना दी है। यानी वेनेजुएला के तेल के खजाने पर अब अमेरिका का अधिकार है। इधर अमेरिका के ही छेड़े युद्ध के बाद ईरान ने जब होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग बंद कर दिया तो दुनिया भर में ईंधन की आपूर्ति पर इसका असर पड़ा और तेल की कीमतों में एकदम से तेजी आई। भारत में कितने दिनों तक लोग खाली सिलेंडरों के साथ सड़कों पर थे, यह तो कोई भूला नहीं है। इस त्योहारी मौसम में भी महंगाई बढ़ने का बड़ा कारण तेल की महंगाई है। अमेरिका में भी ऐसे ही महंगाई आई है, लेकिन अगले महीने वहां मध्यावधि चुनाव है। जिसमें ट्रंप तेल की महंगाई के कारण घिरे हुए हैं। ऐसे वक्त में रुबियो भारत आए और सीधे मुंबई पहुंच कर वहीं विदेश मंत्री एस. जयशंकर को भी बुलवा लिया। विदेश मंत्रालय कोई सूचना देशवासियों को देता, इससे पहले ही अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने इस बारे में इत्तला दे दी थी कि जब रुबियो मुंबई में रहेंगे तो विदेश मंत्री जयशंकर वहीं उनसे मिलेंगे। अब यही चलन हो गया है कि हमारी सरकार क्या करेगी, यह अमेरिका पहले बता देता है। ऑपरेशन सिंदूर भी अचानक बंद कर दिया गया, यह बात पहले डोनाल्ड ट्रंप ने बताई और उसके कई घंटों बाद नरेन्द्र मोदी ने। राहुल गांधी जब इसे अमेरिका के सामने सरेंडर बताते हैं तो यह महज तंज नहीं, मौजूदा दौर की कड़वी सच्चाई है। एक वक्त था जब भारत के लिए शान से कहा गया था, कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी। लेकिन अब उसी हस्ती को मोदी सत्ता के लालच में मिटाने पर तुले हैं और शान से बताते हैं कि डोनाल्ड ट्रंप से उनका कितना गहरा याराना है। हालांकि इसकी बहुत भारी कीमत देश की जनता चुका रही है। ट्रंप को व्यापारिक और राजनैतिक कोई भी असुविधा न हो, इसका पूरा ख्याल मोदी सरकार रख रही है। चुनाव से पहले अमेरिका को डीजल की भारी जरूरत है और जामनगर रिफाइनरी यह जरूरत पूरी कर सकती है। ध्यान रहे कि वेनेजुएला के कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार अमेरिका है, जबकि भारत दूसरे स्थान पर है।

लेकिन वेनेजुएला में जब अघोषित तौर पर अमेरिका की ही सरकार है, तो यह कहना ज्यादा सही होगा कि भारत ही वेनेजुएला का तेल खरीद रहा है, अमेरिका तो केवल ले रहा होगा। बहरहाल बीते महीनों में भारत ने वेनेजुएला से लगभग 2.90 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल आयात किया, जिसमें से 90 प्रतिशत जामनगर रिफाइनरी में आया। यहीं से फिर संशोधित तेल वैश्विक बाजार में बेचा जाता है। रिलायंस की एक रिफाइनरी अब अमेरिका में भी खुलने जा रही है। श्अमेरिका फर्स्ट रिफाइनिंगश नाम से टेक्सास में बन रही इस रिफाइनरी में सारा काम रिलायंस की मदद से होगा और मार्च में इस पर करीब 300 अरब डॉलर का सौदा हो चुका है।

अब अमेरिका चाहता है कि भारत वेनेजुएला से ज्यादा से ज्यादा तेल खरीदे और उसे रिफाइन कर अमेरिका के सुपुर्द कर दे। हालांकि अपनी इस चाहत को कूटनीतिक शब्दों में पिरोकर भारतीयों को बताया जा रहा है। जैसे रुबियो ने मंगलवार को मुंबई में पत्रकारों से कहा कि भारत एक रिफाइनिंग सुपरपावर है और बाजार पर पड़ रहे दबाव को कम करने में मदद कर सकता है। हमें रिफाइनिंग सुपरपावर बता कर अमेरिका अपना स्वार्थ सिद्ध कर रहा है। मोदी इस बात को अच्छे से समझते हैं, लेकिन अंबानी और ट्रंप से अपनी नजदीकियों को वे ज्यादा महत्व देते हैं। वैसे ट्रंप ने इस बीच एक समझौता रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ भी किया है, जिसके तहत रूसी डीजल को वैश्विक बाजार में उतारा जाएगा। अब तक तो भारत को रूस से तेल खरीदने पर टैरिफ थोपने की धमकी दी जा रही थी, लेकिन अब ट्रंप ने भी अपना फायदा देखते हुए बात पलट दी है। पिछले सप्ताह ही भारत को भी ट्रंप ने रूस से तेल खरीदने पर सौ प्रतिशत टैरिफ लगाने वाली धमकी से मुक्त किया है। मोदी इसे अपनी बड़ी उपलब्धि बता सकते हैं, लेकिन असल में ट्रंप बार–बार भारत के सम्मान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। क्योंकि एक तरफ ट्रंप भारत की क्षमताओं का दोहन कर अपनी ऊर्जा सुरक्षा और सत्ता में बने रहने का इंतजाम कर रहे हैं, दूसरी तरफ भारत के खिलाफ आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले पाकिस्तान से भी नजदीकियां बनाए हुए हैं।

मुंबई में मार्को रूबियो ने अमेरिका के लिए पाकिस्तान की अहमियत बताई और देशभक्ति का ढोल पीटने वाले संघी और दक्षिणपंथी लोग इस पर एक शब्द नहीं कह रहे हैं। गौरतलब है कि 2025 में जब मार्को रूबियो केवल सीनेटर थे तो उन्होंने कहा था कि अगर पाकिस्तान भारत के खिलाफ आतंकवाद को बढ़ावा देता है, तो वे पाकिस्तान को दी जाने वाली अमेरिकी सुरक्षा सहायता में कटौती के लिए एक बिल पेश करेंगे। इस बयान पर उनसे मुंबई में सवाल किया गया कि क्या अब आपका रुख बदला है? क्या इस नीति में कोई बदलाव हुआ है? तो रुबियो ने कहा, हम दुनिया में कहीं भी होने वाले आतंकवाद के खिलाफ हैं। लेकिन अब मैं सीनेटर नहीं, विदेश मंत्री हूं। मुझे अमेरिका की विदेश नीति का संचालन करना है। इसके लिए हमें अलग–अलग देशों के साथ संबंधा बनाए रखने होते हैं, जिनमें वे देश भी शामिल हैं, जिनके साथ हमारे कुछ मुद्दों पर मतभेद हो सकते हैं। पाकिस्तान एक ऐसा देश है, जिसके साथ हमें संबंध बनाए रखने होंगे। उसके पास परमाणु हथियार हैं। भौगोलिक स्थिति के लिहाज से भी हमें उसके साथ बातचीत और संपर्क बनाए रखने की जरूरत है। ठीक उसी तरह, जैसे भारत को ईरान के साथ संबंध रखने पड़ते हैं और वहां के नेताओं से मुलाकातें भी होती हैं। इस बयान से मार्को रुबियो ने बता दिया कि असीम मुनीर और शाहबाज शरीफ ट्रंप को प्यारे हैं और उनके आगे वे मोदी को अहमियत नहीं देते हैं। रूबियो ने जिस तरह भारत–ईरान संबंधों की तुलना पाकिस्तान से अपने रिश्तों को बताने के लिए की, वह भी सरासर देश का अपमान है, क्योंकि ईरान से हमारे सदियों पुराने संबंध हैं। और वह कोई आतंक फैलाने वाला देश नहीं है, जिसके नापाक इरादों को भारत का समर्थन रहता है। अमेरिका ने तो पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम में मदद की, लेकिन भारत ने ईरान के साथ ऐसा नहीं किया।

रिजीम चेंज पर बवाल

रिजीम चेंज ये शब्द इस समय मोदी सरकार को बुरी तरह डरा रहा है। वैसे रिजीम चेंज कहें या सत्ता परिवर्तन या वोट चोर, गद्दी छोड़ के नारे लगाएं, लोकतंत्र में ये जुमले गुनाह नहीं हैं, बल्कि उसकी बुनियादी शर्त हैं। जनता ही तय करती है, रिजीम यानी शासन करने का हक किसे दिया जाए और ठीक न लगने पर उसे कब उतारा जाए। इस परिवर्तन में जब तक कोई अनैतिक तरीके इस्तेमाल नहीं होते या गैरकानूनी काम और हिंसा नहीं होती, तब तक उसे गलत नहीं कहा जा सकता। मगर मोदी सरकार में जनता के विरोध को देशविरोध काम की तरह पेश किया जा रहा है। पहले राजनाथ सिंह ने रिजीम चेंज पर विपक्ष को घेरा, उसके बाद मोहन भागवत ने भी अपने विजयादशमी के भाषण में यही डर दिखाया और आंदोलन को गलत बताने की कोशिश की। इससे पहले संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजीजू भी बांग्लादेश और फ्रांस का नाम लेकर भारत में उठे आंदोलन को गलत ठहरा सकते हैं। गौरतलब है कि आसमान छूती महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, और शिक्षा व्यवस्था की खामियां जैसे कई मुद्दों पर इस समय यूरोप के कुछ देशों में हिंसक आंदोलन खड़े हो चुके हैं। फ्रांस, इटली, बेल्जियम, स्पेन, पुर्तगाल, अल्बानिया, जर्मनी, ऑस्ट्रिया और ग्रीस में अलग–अलग आंदोलन चल रहे हैं। उसमें भी फ्रांस, इटली और अल्बानिया में स्थिति सबसे अधिक विस्फोटक हो चुकी है। अल्बानिया में तो सरकार पर कोई एक्शन न लेने के कारण सुप्रीम कोर्ट में ही आग लगा दी गई। वहीं फ्रांस में स्कूलों की बदहाली, योग्य शिक्षकों की भारी कमी और सरकार द्वारा शिक्षा क्षेत्र के बजट में की गई भारी–भरकम कटौती के खिलाफ छात्र और शिक्षक पहले सड़कों पर उतरे फिर एक बड़ा जनआंदोलन खड़ा हो गया। जर्मनी में युवा वर्ग अनिवार्य सैन्य–सेवा योजनाओं और नीतियों का खुलकर विरोध कर रहा है। उधर इटली के मिलान सहित कई प्रमुख शहरों में भी प्रदर्शनकारियों ने भारी उत्पात मचाया है। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने सार्वजनिक रूप से इन हिंसक हरकतों को कोरा अराजनीतिक उपद्रव और अराजकता करार दिया है। जिन देशों में सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया जा रहा है, पुलिस और सुरक्षा बलों के खिलाफ लोग हिंसा कर रहे हैं, वहां की सरकारें अगर इसे उपद्रव कहें तो समझ आता है। लेकिन भारत में तो हालात इसके उलट हैं। जुलाई में जंतर–मंतर की हिंसा की बात न भी करें, तो अभी अक्टूबर में हुए विरोध प्रदर्शनों में भी दिल्ली पुलिस ने न केवल शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर शक्ति का इस्तेमाल किया, बल्कि गैरकानूनी तरीके से उन्हें प्रताड़ित भी किया। इसके बाद भी भारतीय जनता जिस हिम्मत, धैर्य और सहनशक्ति के साथ शांति और अहिंसा को अपने प्रदर्शनों का हिस्सा बनाए हुए है, उसकी जितनी तारीफ की जाए कम है। सरकार जनता के इस अद्भुत विवेक का लगातार अपमान कर रही है। अच्छी बात यह है कि जनता बार–बार यह साबित कर रही है कि हम गांधी का देश यूं ही नहीं हैं। आज की तारीख में गांधी भी अगर वोट चोरी के खिलाफ आवाज उठाते तो उन्हें ऐसे ही सलाखों के पीछे डाला जाता या उन पर भी लाठियां बरसतीं। यह सही है कि विपक्ष सड़कों पर उतरा और विपक्ष के आह्वान पर जनता भी सड़क पर उतर आई। इस वक्त सबकी यही मांग है कि जिन लोगों ने वोटों की चोरी की है, धांधली करके चुनाव जीता है, उन्हें सत्ता में बैठने का कोई हक नहीं है। अगर सरकार को इस मांग से ऐतराज है तो वह साबित करे कि उसने चुनावी धांधली नहीं की। इसके लिए सबसे पहले तो ज्ञानेश कुमार को मुख्य चुनाव आयुक्त के पद से हटाया जाए, फिर एसआईआर में उठे सवालों का जवाब दिया जाए और मुख्य चुनाव आयुक्त बनाने के लिए जो पहले व्यवस्था थी, यानी प्रधानमंत्री और नेता प्रतिपक्ष के अलावा देश के मुख्य न्यायाधीश की चयन समिति बनाई जाए। मुख्य चुनाव आयुक्त को आजीवन कानूनी संरक्षण का प्रावधान भी खत्म किया जाए। यह सब मोदी सरकार कर ले तो फिर विपक्ष को आंदोलन करने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। एसआईआर की जांच होगी तो दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा। लेकिन ऐसा करने की जगह विपक्ष को अलोकतांत्रिक कहकर कटघरे में खड़ा किया जा रहा है। पिछली जुलाई में जंतर–मंतर पर हुई हिंसा पर विपक्ष ने लोकतांत्रिक तरीके से ही सदन में गृहमंत्री को जवाब देने कहा था, लेकिन पूरे मानसून सत्र में केवल आखिरी दिन अमित शाह लोकसभा में आए और वंदेमातरम् सुनकर चले गए। जुलाई से अब अक्टूबर आ गया, लेकिन इस सवाल का जवाब अमित शाह ने नहीं दिया कि पैलेट गन और एके 47 किसके आदेश पर चली। बल्कि अब नए सवाल भी जुड़ गए हैं कि प्रदर्शन के लोकतांत्रिक हक को मोदी सरकार क्यों कुचल रही है। क्यों पुलिस निहत्थे लोगों पर लाठियां बरसा रही है। अमित शाह और नरेन्द्र मोदी अगर संसद में आकर इसका जवाब दे दें तो फिर विपक्ष और सामाजिक संगठनों को सड़क पर उतरना ही नहीं पड़ेगा। जनता तो दरअसल वही कर रही है जो गांधीजी ने रास्ता दिखाया था। 1919 के जलियांवाला बाग नरसंहार की जांच के लिए बनी हंटर कमेटी के सामने सुनवाई के दौरान भी सरकार के सामने सत्याग्रह का सवाल पेश आया था।

35 वर्ष की खेल सेवा पर विपिन बिहारी चंद्र यादव सम्मानित

सेवाकाल की अंतिम जनपदीय प्रतियोगिता में भावुक हुए क्रीड़ा प्रभारी, शिक्षकों ने माल्यार्पण कर जताया सम्मान

भाटपार रानी, देवरिया। 70वीं जनपदीय विद्यालयीय 19 वर्षीय बालक क्रिकेट प्रतियोगिता 2026–27 के समापन समारोह में करीब 35 वर्षों तक खेल एवं शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में सेवाएं देने वाले विपिन बिहारी चंद्र यादव को सम्मानित किया गया। सेवाकाल के अंतिम सत्र में विद्यालय के क्रीड़ांगन पर आयोजित अंतिम जनपदीय प्रतियोगिता में मिले सम्मान से वह भावुक हो उठे। सह जिला विद्यालय निरीक्षक देवरिया नीलेश पाण्डेय और आयोजक प्रधानाचार्य सतेन्द्र कुमार गुप्ता ने उन्हें माला पहनाकर तथा उत्तरीय भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान उपस्थित शिक्षकों ने भी माल्यार्पण कर उनके लंबे सेवाकाल के प्रति सम्मान व्यक्त किया। विपिन बिहारी चंद्र यादव भाटपार रानी तहसील के क्रीड़ा प्रभारी तथा वीआरडी कृषक इंटर कॉलेज, देवरिया के क्रीड़ा प्रभारी के रूप में अपनी सेवाएं देते रहे हैं। लगभग साढ़े तीन दशक के सेवाकाल में खेल गतिविधियों और विद्यालयीय प्रतियोगिताओं से उनका जुड़ाव रहा। उनके लिए यह आयोजन विशेष महत्व का रहा, क्योंकि सेवा के अंतिम सत्र में अपने विद्यालय के क्रीड़ांगन पर आयोजित जनपदीय प्रतियोगिता में उन्हें सम्मानित किया गया।

यादव ने इस सम्मान के लिए अतिथियों, आयोजकों और सभी शिक्षकों के प्रति हृदय से आभार जताया। उन्होंने कहा कि जीवन के इस भावुक क्षण को वह कभी नहीं भूल पाएंगे। सभी से मिला स्नेह, प्यार और सम्मान हमेशा उनकी स्मृतियों में बना रहेगा। उन्होंने सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह में मुख्य अतिथि सह जिला विद्यालय निरीक्षक नीलेश पाण्डेय का भी पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। आयोजक प्रधानाचार्य सतेन्द्र कुमार गुप्ता और तहसील प्रभारी प्रधानाचार्य भानु प्रताप सिंह ने उन्हें कैप व माला पहनाकर तथा उत्तरीय और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर शारीरिक शिक्षा एवं अन्य शिक्षक विपिन बिहारी चंद्र यादव, सत्यम मिश्रा, जितेन्द्र कुमार, अनिमेष कुमार, सुधांशु राय, प्रवीण सिंह, रामप्रकाश द्विवेदी और महेंद्र राही सहित अन्य शिक्षकों ने मुख्य अतिथि का माल्यार्पण कर स्वागत किया। समारोह में वरिष्ठ क्रीड़ा प्रभारी के प्रति सम्मान और उनके लंबे सेवाकाल की सराहना प्रमुख रूप से देखने को मिली।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

देवरिया। कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि सदर विधायक शलभ मणि त्रिपाठी, जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी, पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर और पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष पंडित गिरीश चंद्र तिवारी ने अधिवक्ताओं के सम्मान और त्वरित न्याय पर जोर दिया।

विधायक ने कहा कि मुकदमों के शीघ्र निस्तारण के लिए बार–बेंच में बेहतर समन्वय जरूरी है। डीएम ने अधिवक्ताओं की समस्याओं के समाधान और न्यायालयों में सम्मान सुनिश्चित करने की बात कही। एसपी ने पुलिसकर्मियों से अधिवक्ताओं के प्रति संवेदनशीलता बरतने की अपेक्षा की।

समारोह में अध्यक्ष बृजबांके तिवारी, उपाध्यक्ष ललित नारायण पांडेय और मंत्री शिवानंद त्रिपाठी सहित नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने शपथ ली। इस दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता चंद्रबली शुक्ल, गिरीश चंद्र शुक्ल, उमेश मिश्रा, उमेश नारायण श्रीवास्तव, सतीश चंद्र त्रिपाठी और वैभवकांत मिश्रा सहित अनेक अधिवक्ता मौजूद रहे।

देवरिया डिपो में संविदा चालकों के 46 पदों पर भर्ती, 27 अक्टूबर से कैंप

10 स्थानों पर लगेंगे भर्ती शिविर, आठवीं पास अभ्यर्थी कर सकेंगे आवेदन

देवरिया। देवरिया डिपो में संविदा चालकों के 46 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए 27 अक्टूबर से कैंप लगाए जाएंगे। सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक पारस नाथ ने बताया कि भर्ती प्रक्रिया नवंबर तक विभिन्न निर्धारित स्थानों पर चलेगी। बसों की उपलब्धता के अनुसार पदों की संख्या घट–बढ़ सकती है।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 27 अक्टूबर को लार, 31 अक्टूबर को खुखुंदू चौराहा, तीन नवंबर को मइल चौराहा, पांच नवंबर को रुद्रपुर बस स्टेशन, 13 नवंबर को करूअना चौराहा, 17 नवंबर को भटनी बाजार, 20 नवंबर को सोहनपुर इंटर कॉलेज, 23 नवंबर को बंगरा बाजार, 27 नवंबर को नवलपुर चौराहा और 30 नवंबर को देवरिया आईटीआई परिसर में शिविर लगेगा।

अभ्यर्थी की न्यूनतम शैक्षिक योग्यता आठवीं पास, आयु 23 वर्ष छह माह और लंबाई पांच फीट तीन इंच होनी चाहिए। साथ ही कम से कम दो वर्ष पुराना भारी वाहन का वैध ड्राइविंग लाइसेंस अनिवार्य है। आवेदन के लिए आधार कार्ड, शैक्षिक प्रमाणपत्र, ड्राइविंग लाइसेंस और दो पासपोर्ट आकार के फोटो लाने होंगे।

आग से दो दुकानें जलीं 50 लाख का नुकसान

बस्ती,संवाददाता। जिले के तेनुआ गांव में बुधवार देर रात करीब 2.30 बजे आग लग गई। इससे दो दुकानों में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। पैकोलिया थाना क्षेत्र में हुई इस घटना में एक ऑटो पार्ट्स की दुकान और एक मेडिकल शॉप को नुकसान हुआ है। दुकानदारों के मुताबिक, आग से करीब 50 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। इसमें ऑटो पार्ट्स की दुकान में 30 लाख और मेडिकल शॉप में 20 लाख रुपये का सामान जला है। आग लगने की वजह अभी पता नहीं चली है।

शिक्षक एमएलसी चुनाव : विजयलक्ष्मी गौतम ने ध्रुव कुमार त्रिपाठी के लिए मांगा समर्थन

सलेमपुर, देवरिया। राज्यमंत्री एवं सलेमपुर विधायक विजयलक्ष्मी गौतम ने शिक्षक एमएलसी प्रत्याशी ध्रुव कुमार त्रिपाठी के समर्थन में जनसंपर्क कर शिक्षकों से मतदान की अपील की। उन्होंने क्षेत्र के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में पहुंचकर शिक्षकों से संवाद किया और प्रत्याशी के पक्ष में समर्थन मांगा।

जनसंपर्क अभियान के तहत उन्होंने रैनाथ ब्रह्मदेव डिग्री कॉलेज, महात्मा बुद्ध इंटरमीडिएट कॉलेज, आरबी राव इंटरमीडिएट कॉलेज रामपुर, जनता इंटरमीडिएट कॉलेज चकरवा बहोरदास, राष्ट्रीय इंटरमीडिएट कॉलेज कौड़िया मिश्रा और मुहम्मद हुसैन इंटर कॉलेज नवलपुर सहित अन्य संस्थानों में संपर्क किया। उन्होंने शिक्षकों से चुनाव में सक्रिय भागीदारी कर ध्रुव कुमार त्रिपाठी के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

अभियान में मंडल अध्यक्ष पुनीत यादव, अवनीश मिश्रा, ईश्वर सिंह, ब्रह्म मिश्रा, रविंद्र श्रीवास्तव, जयप्रकाश शाह, जयनाथ कुशवाहा, जटाशंकर दुबे, कन्हैया जायसवाल, बलबीर सिंह दादा, राजीव मिश्रा और शिवाकांत तिवारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

एमएलसी चुनाव : महेवा में तीनों बूथों पर पहुंचीं पोलिंग पार्टियां, प्रशासनिक तैयारियां पूरी

शुक्रवार को होगा शिक्षक एवं स्नातक खंड का मतदान, अधिकारियों ने सुरक्षा

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

महेवा(इटावा)। शुक्रवार को होने वाले एमएलसी चुनाव के मतदान को लेकर प्रशासनिक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। गुरुवार दोपहर तक लोकमान्य रूरल इंटर कॉलेज महेवा में बनाए गए तीनों मतदान केंद्रों पर पोलिंग पार्टियां पहुंच गईं। मतदान को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन और पुलिस विभाग पूरी तरह मुस्तैद नजर आया।

विदित हो कि लोकमान्य रूरल इंटर कॉलेज महेवा में शिक्षक खंड के मतदान के लिए एक बूथ तथा स्नातक खंड के मतदान के लिए दो बूथ बनाए गए हैं। इन तीनों बूथों को बुधवार और गुरुवार को उपजिलाधिकारी भरथना काव्या सी की निगरानी में तहसीलदार भरथना, नायब तहसीलदार भरथना एवं महेवा के लेखपाल द्वारा तैयार कराया गया।

मतदान केंद्र पर व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए उपजिलाधिकारी भरथना काव्या सी, सीओ भरथना राम दबन मौर्य, थाना प्रभारी बकेवर विपिन कुमार मलिक, चौकी प्रभारी महेवा रजनीश तिवारी, चौकी प्रभारी अहेरीपुर अनंतपाल त्यागी तथा लेखपाल महेवा राहुल गोयल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अधिकारियों ने मतदान केंद्र की व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर आवश्यक तैयारियों का जायजा लिया।

प्रशासन का उद्देश्य चुनाव को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराना है।

गन्ना बुवाई पर किसान गोष्ठी

बस्ती,संवाददाता। शंकरपुर के ग्राम हंसराजपुर में शरदकालीन गन्ना बुवाई को लेकर एक किसान गोष्ठी हुई। इसमें किसानों को गन्ने की अच्छी खेती और ज्यादा पैदावार के तरीके बताए गए। किसानों को खेत की तैयारी, सही खाद, अच्छे बीज का चुनाव, बीज का उपचार और वैज्ञानिक तरीके से बुवाई की पूरी जानकारी दी गई। गोष्ठी में गन्ने के साथ लाही, मटर, आलू और गोभी जैसी दूसरी फसलें लगाने पर भी बात हुई। बताया गया कि इससे किसान गन्ने के साथ–साथ अतिरिक्त कमाई कर अपनी आर्थिक हालत सुधार सकते हैं।

मतदान पार्टियों की रवानगी स्थल का डीएम ने किया निरीक्षण

देवरिया। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने गोरखपुर–फैजाबाद शिक्षक निर्वाचन के लिए 23 अक्टूबर को होने वाले मतदान के मद्देनजर कलेक्ट्रेट परिसर में मतदान पार्टियों की रवानगी स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने पटलवार व्यवस्थाओं का जायजा लेकर दिशा–निर्देश दिए।

डीएम ने कहा कि सभी पीठासीन अधिकारी मतदाता सूची प्राप्त कर भलीभांति अध्ययन और मिलान कर लें। सभी अभिलेखों और प्रपत्रों की जांच कर लें, कोई प्रपत्र छूटा हो तो प्राप्त करना सुनिश्चित करें।सभी मतदान पार्टियां निर्धारित गंतव्य पर समय से पहले पहुंचकर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान एडीएम प्रशासन प्रेम नारायण सिंह सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सिमरन ने अपनाया सनातन धर्म, स्मिता कुशवाहा रखा नाम, विहिप ने कराई घर वापसी की रस्म

संवाददाता फतेहपुर। करीब 15 साल पहले नाबालिग अवस्था में मुंबई ले जाई गई महिला ने तीन बच्चों के साथ सनातन धर्म में वापसी की। बृहस्पतिवार शाम शहर के हरिहरगंज स्थित गायत्री मंदिर में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के कार्यकर्ताओं ने पूजा–पाठ और यज्ञ–हवन कराकर घर वापसी की रस्म पूरी कराई। महिला का नाम स्मिता कुशवाहा और बच्चों के नाम कार्तिक, अवनी व यश कुशवाहा रखे गए हैं। जहानाबाद थाना क्षेत्र के कोड़ा सुनराही गली की रहने वाली महिला के मुताबिक, करीब 15 साल पहले गांव का एक युवक उसे मुंबई ले गया था। यहां उस पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया गया। महिला का आरोप है कि उसे गोमांस खिलाकर मस्जिद में निकाह कराया गया और धर्म परिवर्तन के बाद उसका नाम सिमरन रख दिया गया। इस दौरान उसके दो बेटे अरशद अली और मुर्शीद अली तथा एक बेटी कैरीन हुई। महिला का आरोप है कि बच्चों के जन्म के बाद पति उसे प्रताड़ित करने लगा। कुछ समय पहले उसने मुंबई में दूसरा निकाह कर लिया। इससे परेशान होकर महिला करीब दो साल पहले बच्चों के साथ गांव लौट आई। मायके से सहारा नहीं मिलने पर वह प्रधानमंत्री आवास में रहकर बच्चों का पालन–पोषण कर रही थी। इसी दौरान महिला विहिप कार्यकर्ताओं के संपर्क में आई। कार्यकर्ताओं ने उसे संगठन के प्रांतीय उपाध्यक्ष वीरेंद्र पांडेय से मिलवाया। मामले की जानकारी लेने के बाद बृहस्पतिवार को गायत्री मंदिर में धार्मिक अनुष्ठान कराया गया। महिला और बच्चों को तुलसी व गंगाजल से पवित्र करने के बाद कलावा बांधकर घर वापसी की रस्म पूरी की गई।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

फतेहपुर,संवाददाता। चांदपुर थाना क्षेत्र के अमौली के पास बुधवार रात किसी वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। भगलापुर गांव निवासी बीनू सिंह (24) किसी काम से कानपुर गया था। रात में लौटते समय अमौली के पास पहुंचा, तभी किसी वाहन ने उसकी बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। पुलिस उसे सीएचसी ले गई, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। बीनू के चाचा वीरेंद्र ने बताया कि भतीजा अमौली में परिवार के साथ रहता था।

शिक्षक एमलसी चुनाव के लिए पोलिंग पार्टियां रवाना

बस्ती,संवाददाता। जनपद में गोरखपुर–फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के द्विवार्षिक चुनाव के लिए गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में पोलिंग पार्टियों को मतपेटिकाएं सौंपी गई। दोपहर करीब 12 बजे से पोलिंग पार्टियां कलेक्ट्रेट सभागार में पहुंचना शुरू हो गईं। इसके बाद सभी को मतदान प्रक्रिया को लेकर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए, ताकि शुक्रवार को निर्धारित समय पर मतदान कराया जा सके। शिक्षक एमएलसी चुनाव के लिए बस्ती जिले में 23 अक्टूबर को मतदान होगा। इसके लिए जिले में 14 मतदेय स्थल बनाए गए हैं। वोटिंग सुबह 8 से शाम के 4 बजे तक चलेगा। चुनाव में केवल पात्र शिक्षक मतदाता ही अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। प्रशासन की ओर से मतदानकर्मियों को चुनाव संबंधी जरूरी व्यवस्थाओं और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कार्य करने के निर्देश दिए गए। पोलिंग पार्टियों को मतपेटिकाएं सौंपने के साथ मतदान की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। मतदान केंद्रों पर व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए तहसील स्तर पर भी तैयारियां कराई गई हैं। जिले में रामनगर, रुधौली, सल्टौआ गोपालपुर, साऊंघाट, गौर, परसरामपुर, विक्रमजोत, हर्रैया, बस्ती, नगर पालिका परिषद बस्ती, कप्तानगंज, बहादुरपुर, बनकटी और कुदरहा में मतदान कराया जाएगा। निर्धारित मतदेय स्थल संबंधित क्षेत्र पंचायत कार्यालय भवनों में बनाए गए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी के अनुसार मतदान के लिए पोलिंग पार्टियों को आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है।

आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

बस्ती,संवाददाता। अधिवक्ता अनिल चौधरी पर हुए प्राणघातक हमले के मामले में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी और अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू करने की मांग को लेकर गुरुवार को अधिवक्ताओं ने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। संयुक्त बार के तत्वावधान में सैकड़ों अधिवक्ताओं ने अधिकारियों को ज्ञापन देकर मामले में कार्रवाई की मांग उठाई। अनिल चौधरी पर हुए हमले के मामले में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की जाए।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

उप. मु. सिग. एवं दू. सं. अभि./नि.–II/लखनऊ, कार्यालय संकुल, निर्माण संगठन उ.रे , चारबाग लखनऊ–226004, भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्नलिखित प्रपत्र पर ई–निविदा एक पैकेट प्रणाली के तहत निम्नलिखित कार्य के हेतु आमंत्रित की जा रही हैः–

1	कार्य का नाम एवं स्थान	जेआर आरपीएफ एकेडमी, लखनऊ में अधिकारियों के हॉस्टल, बैरक, अस्त्रागार और शॉर्ट फायरिंग रेंज जैसी मौजूदा सुविधाओं के उन्नयन/आधुनिकीकरण के टेलीकॉम कार्य के साथ ही सीपीएम/कांस्ट, लखनऊ ऑफिस में विभिन्न काम और आलमनगर, बाराबंकी और व्यासनगर यार्डस में मालगाड़ियों के गोदामों के सुधार से जुड़ा टेलीकॉम काम के साथ आलमनगर स्टेशन में एसएसपी से पावर कैबिन तक कनेक्टिविटी की सुविधा।
2	पूरा होने की अवधि	09 (नौ) महीने (स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से)
3	कार्य की अनुमानित लागत	₹. 5,21,12,327.70 (रुपये पाँच करोड़ इक्कीस लाख बारह हजार तीन सौ सत्ताईस और पैसा सतर केवल)
4	निविदा दस्तावेज राशि एवं धरोहर राशि	रु शून्य एवं धरोहर राशि आई आर ई पी एस पर एन आई टी में उल्लिखित है।
5	ऑफर की वैधता	90 दिन निविदा खुलने की तिथि से
6	निविदा बंद होने तथा निविदा खुलने की तारीख एवं समय	13.11.2026 को 11:30 बजे तक आई आर ई पी एस वेब साइट यानी **www.ireps.gov.in** पर निविदा अपलोड की जा सकती है। बोली दाता ई–टेंडर में भाग ले सकता है, निविदा 13.11.2026 को 11:30 बजे खोली जाएगी।
7	वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है।	विस्तृत ई–टेंडर नोटिस उत्तर रेलवे की वेबसाइट यानी **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा दस्तावेज आई आर ई पी एस की वेबसाइट यानी **www.ireps.gov.in** पर 22.10.2026 से 13.11.2026 तक 11:30 बजे तक उपलब्ध रहेंगे। ई–टेंडर में भाग लेने की इच्छा रखने वाले बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि वे उपरोक्त वेबसाइट पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से खुद को पंजीकृत करें, जिसके लिए उन्हें आईटी अधिनियम–2000 के तहत CCA द्वारा जारी तृतीय श्रेणी डिजिटल प्रमाण पत्र (यदि पहले से प्राप्त नहीं हुआ है) प्राप्त करना होगा। उपरोक्त निविदाओं के संबंध में अन्य सभी नियम और शर्तें निविदा दस्तावेज में दी गई हैं। विस्तृत निविदा सूचना को उपरोक्त कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी देखा जा सकता है।

निविदा सूचना संख्याः- 287–सिग/सी.–II/लखनऊ/निविदा/08/26 दिनांकः 22.10.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3658/26

त्योहारों पर यूपी, बिहार व बंगाल के लिए विशेष ट्रेनें चलाने की मांगरू पंकज डावर

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

गुरुग्राम। त्योहारों पर अपने घर जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए गुरुग्राम कांग्रेस के जिला अध्यक्ष (शहरी) पंकज डावर ने सरकार से यूपी, बिहार और पश्चिम बंगाल के लिए ट्रेनों की संख्या बढ़ाने की मांग की है। डावर ने कहा कि दिवाली और छठ पूजा के मद्देनजर गुरुग्राम–मानेसर में रहने वाले लाखों प्रवासी श्रमिकों को ट्रेनों में रिजर्वेशन नहीं मिल पा रहा है और वेटिंग लिस्ट काफी लंबी हो चुकी है। उन्होंने केंद्र सरकार और रेल मंत्रालय से गुरुग्राम, दिल्ली व रेवाड़ी होकर जाने वाली ट्रेनों के फेरे बढ़ाने तथा तुरंत स्पेशल ट्रेनें संचालित करने का आग्रह किया है। कांग्रेस नेता ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द ही ट्रेनों की संख्या में बढ़ोतरी नहीं की, तो पार्टी प्रवासियों के हक के लिए आंदोलन करने को मजबूर होगी।

बिजली ठप्प होने से आईडीसी का कामकाज ठप, उद्यमियों में रोष

लोकेश कुमार

गुरुग्राम। हरियाणा के प्रमुख औद्योगिक हब गुरुग्राम के आईडीसी औद्योगिक क्षेत्र में वीरवार को दिनभर बिजली आपूर्ति ठप्प रहने से उत्पादन पूरी तरह ठप रहा। बिजली संकट के कारण फैक्ट्रियों में मशीनें थमी रहीं, जिससे उद्यमियों को भारी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ा है।

आईडीसी एसोसिएशन के प्रधान धर्मसागर, सुनील दत्ता, विजय टंडन और देवेंद्र जैन सहित अन्य उद्यमियों ने इस स्थिति पर गहरा रोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बिजली न होने से कच्चे माल की ढुलाई और तैयार माल की सप्लाई रुक गई है, जिससे विदेशी व घरेलू ग्राहकों के ऑर्डर समय पर पूरे करने में भारी कठिनाई आ रही है। उद्यमियों का आरोप है कि संकट के समय बिजली निगम के अधिकारियों और जिला प्रशासन ने फोन तक नहीं उठाया।

उन्होंने सरकार के औद्योगिक विकास के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि धरातल पर आईडीसी जैसी महत्वपूर्ण औद्योगिक इकाइयां आज भी बिजली, सड़क और सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रही हैं। दिनभर बिजली गुल रहने के कारण श्रमिकों को हाथ पर हाथ धरे बैठना पड़ा, वहीं स्थानीय दुकानदारों का कारोबार भी बुरी तरह प्रभावित हुआ।

सब्जियों को ताजा रखने के लिए अपनाएं ये आसान तरीके

आजकल बाजार में ताजे फल और सब्जियां तो मिल जाती हैं, लेकिन उन्हें घर लाने के बाद कुछ दिनों में ही उनमें सड़न आने लगती है। ऐसे में हम मजबूरन उन्हें फेंक देते हैं। हालांकि, कुछ आसान तरीके अपनाकर आप सब्जियों को कुछ दिनों तक ताजा रख सकते हैं। आइए जानते हैं कि सब्जियों को ताजा रखने के लिए किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

सब्जियों को धोने के बाद सुखाएं

अगर आप सब्जियों को ध ोकर उन्हें फ्रिज में रख देते हैं तो ऐसा करने से बचें क्योंकि इससे सब्जियां जल्दी खराब हो सकती हैं। बेहतर होगा कि आप सब्जियों को धोने के बाद उन्हें कुछ देर धूप में रख दें ताकि उनका सारा पानी सूख जाए। इसके बाद ही सब्जियों को फ्रिज में रखें। इससे उनकी ताजगी बनी रहती है और वे लंबे समय तक खराब नहीं होतीं।

सब्जियों को काटकर फ्रिज में न रखें

अगर आप सब्जियों को काटकर फ्रिज में रख देते हैं तो ऐसा करने से भी बचें। दरअसल, सब्जियां काटने के बाद उनमें खराब होने की प्रक्रिया तेज हो जाती है, जिसके कारण वे जल्द ही खराब हो जाती हैं। इसलिए सब्जियों को हमेशा साबुत ही काटने से पहले धोकर फ्रिज में रखें। इसके अलावा सब्जियों को लंबे समय तक ताजा बनाए रखने के लिए उनके साथ थोड़ा नमक डालकर एक बंद डिब्बे में रखें।

हरी पत्तेदार सब्जियों को ऐसे रखें

हरी पत्तेदार सब्जियों को ताजा बनाए रखने के लिए उन्हें सबसे पहले पानी से धोएं और फिर कपड़े से उनका अतिरिक्त पानी निकालें। अब इन सब्जियों को एक प्लास्टिक बैग में रखें, लेकिन बैग को पूरी तरह से बंद न करें। इससे सब्जियों में नमी बनी रहेगी और वे कुछ दिनों तक ताजा रहेंगी। इस तरह से आप हरी सब्जियों की ताजगी को लंबे समय तक बनाए रख सकते हैं।

टमाटर को ऐसे रखें ताजा

सब्जियों के राजा टमाटर में प्राकृतिक रूप से बहुत अध िक एसिड होता है, जो अन्य सब्जियों के खराब होने की प्रक्रिया को तेज कर सकता है। ऐसे में टमाटर को हमेशा बाकी सब्जियों से अलग रखें। इसके अलावा टमाटर को फ्रिज में रखने की गलती न करें क्योंकि इससे उनका स्वाद बदल सकता है। टमाटर को कमरे के तापमान पर ही रखें ताकि उनकी ताजगी बनी रहे।

प्याज को ऐसे रखें ताजा

प्याज को ताजा बनाए रखने के लिए सबसे पहले प्याज को पानी से धोकर सुखाएं। इसके बाद प्याज को एक कागज के बैग में रखें और उसे किसी ठंडी जगह पर रख दें। इससे प्याज कुछ दिनों तक ताजे रहेंगे। हालांकि, अगर आप कटी हुई सब्जियों को रखना चाहते हैं तो उन्हें एक बंद डिब्बे में रखें और डिब्बे को फ्रिज में रख दें। इस तरह से आप प्याज की ताजगी को भी बनाए रख सकते हैं।

स्पिरिट की नई रिलीज डेट आउट, रणबीर कपूर-यश की रामायण पार्ट 2 से टकराएगी संदीप रेड्डी वांगा-प्रभास की फिल्म

रिबेल स्टार प्रभास के फैंस के लिए एक गुड न्यूज है. प्रभास की आगामी फिल्म स्पिरिट की नई रिलीज डेट से पर्दा हट गया है. मेकर्स ने स्पिरिट की नई रिलीज डेट का एलान किया है. यह फिल्म रणबीर कपूर और यश की रामायण पार्ट 2 के आमने-सामने आ गई है, जिससे बॉक्स ऑफिस पर एक जोरदार मुकाबला देखने को मिल सकता है. संदीप रेड्डी वांगा ने फैंस को हिंट दिया कि वह स्पिरिट फिल्म से प्रभास का एक नया लुक और फिल्म की रिलीज डेट सामने लाएंगे. उन्होंने एक्स (पहले ट्विटर) हैंडल पर एक पोस्ट शेयर और लिखा, डियर प्रभास अन्ना के फैंस, मैं एक नया पोस्टर पेश करना चाहता हूं, जिसमें चश्मे के पीछे छिपे प्रभास नजर आ रहे हैं और साथ ही नई रिलीज डेट भी दी गई है. बस कुछ ही मिनट... स्पिरिट – एक बुरी आदत, भारत के सबसे बड़े सुपरस्टार. कुछ मिनट बाद संदीप ने प्रभास का नया पोस्टर साझा करते हुए स्पिरिट की नई रिलीज डेट का एलान किया. पोस्टर में प्रभास ब्लैक सनग्लासेस, मैचिंग कैप और शर्ट में नजर आ रहे हैं. उनका चेहरा पूरा शांत और गंभीर दिखाई दे रहा है. प्रभास के इस लुक के साथ वांगा ने बताया कि स्पिरिट अब दिवाली के मौके पर 29 अक्टूबर, 2027 को रिलीज होगी.

प्रभास और संदीप रेड्डी वांगा की आने वाली एक्शन थ्रिलर फिल्म पहले 5 मार्च 2027 को सिनेमाघरों में आने वाली थी, अब 29 अक्टूबर 2027 को दिवाली के मौके पर दुनिया भर में रिलीज होगी. ऐसे में इसे रामायण पार्ट 2 से टक्कर मिल सकती है. इस फिल्म में एनिमल फेम रणबीर कपूर राम के किरदार में, साई पल्लवी सीता के रूप में और यश रावण की भूमिका में नजर आएंगे. बता दें, रामायण के दूसरे भाग के दिवाली 2027 में रिलीज होने का एलान काफी पहले ही कर दिया गया था, हालांकि अभी तक कोई पक्की तारीख तय नहीं हुई है. दोनों ही फिल्मों को लेकर काफी चर्चा है, ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि बॉक्स ऑफिस पर इनका टकराव कैसा रहता है. स्पिरिट का अनाउंसमेंट सबसे पहले 23 अक्टूबर 2025 को, प्रभास के जन्मदिन पर की गई थी. इस अनाउंसमेंट के साथ वन बैड हैबिट नाम का एक साउंड-स्टोरी टीजर जारी किया गया, जिसमें बताया गया कि यह फिल्म एक सख्त पुलिस अधिकारी के ईर्द-गिर्द घूमती है

मां बनने के बाद काम पर लौटीं दिव्यांका त्रिपाठी, बोलीं- बाउंस बैक जैसा कुछ नहीं होता

अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी इन दिनों पति विवेक दहिया के साथ कपल रियलिटी शो पति पत्नी और पंगा में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में जुड़वा बच्चों के जन्म के बाद काम करने की चुनौतियों पर बात की। अभिनेत्री ने बताया कि बच्चों को कुछ समय के लिए अकेले छोड़ना बहुत मुश्किल हो गया है, क्योंकि वे बड़े हो रहे हैं और अपने आसपास की चीजों को एक्सप्लोर कर रहे हैं। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि जैसे-जैसे बच्चे बड़े हो रहे हैं, उनकी देखभाल का अनुभव भी बदल रहा है। दिव्यांका त्रिपाठी ने कहा, इस स्टेज पर बच्चों को संभालना आसान है, क्योंकि अभी बस वह सोते और खाते हैं लेकिन मुझे पता है कि अब उनके घुटनों के बल चलने का समय आएगा। उन्होंने धीरे-धीरे खुद को आगे बढ़ाना शुरू कर दिया है। मेरे लिए तो उन्हें दो से चार मिनट के लिए भी अकेला छोड़ना मुश्किल है। इसलिए मुझे उन्हें सेट पर भी साथ ले जाना पड़ता है। हालांकि, यह आसान नहीं है। अभिनेत्री ने बताया कि लोगों को इस बात पर भी हैरानी होती है कि वो इतनी जल्दी काम पर कैसे लौट आईं। उन्होंने कहा, मैं हमेशा कहती हूं कि महिलाएं ऐसे ही बाउंस बैक नहीं कर लेतीं। देखिए, ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। भले ही हम एक्ट्रेस कैमरे के सामने हंसती-मुस्कराती दिखती हैं लेकिन शरीर के अंदर दर्द, थकान और दिमाग में कन्फ्यूजन जैसा रहता है। अभिनेत्री का कहना है कि उन्हें काम पर लौटने की जरूरत नहीं थी लेकिन वे फिर भी लौटीं। क्योंकि एक मां के लिए घर पर बैठना भी आसान नहीं और काम करना भी आसान नहीं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि मां बनने के बाद काम पर लौटने को लेकर महिलाओं की तुलना एक-दूसरे से नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हर किसी की परिस्थितियां अलग होती हैं, इसलिए महिलाओं को किसी और के अनुभव के दबाव में आने के बजाय अपनी जर्नी पर भरोसा करना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं ये इसलिए कह रही हूं, ताकि कोई भी एक महिला की तुलना दूसरी से न करे और ये न कहे कि अरे दिव्यांका ने कर लिया। नहीं, ये सबके लिए मुश्किल है। हर कोई अपने हिसाब से काम पर लौटता है। तो आप भी अपनी गति से चलें और मैं भी अपनी गति से चल रही हूं। इसी के साथ ही, अभिनेत्री ने परिवार और पति का भी शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने उनके मां बनने के साथ-साथ काम को भी संभालने का हौसला दिया। अभिनेत्री ने कहा, मैं बहुत हिम्मत दिखा रही हूं लेकिन इसके पीछे की वजह विवेक हैं, वे हर पल मेरे साथ खड़े रहते हैं। मेरी फैमिली मुझसे कहती है, तू कर लेगी। ये मत सोचती रह कि इंतजार करना चाहिए या नहीं, अगर इंतजार करती रही तो कभी शुरू ही नहीं कर पाएगी। मुझे भी लगता है कि काम करना हमारे मेंटल हेल्थ के लिए अच्छा है। आपके साथ रहना मेरे मेंटल हेल्थ के लिए अच्छा है।

डायबिटीज मेरी जिंदगी का हिस्सा है, पूरी पहचान नहीं, ऐश्वर्या सखुजा ने बयां किया 10 साल का अनुभव

सास बिना ससुराल, मैं ना भूलूंगी, त्रिदेवियां और रिश्ता डॉट कॉम जैसे शो में नजर आ चुकीं टीवी एक्ट्रेस ऐश्वर्या सखुजा पिछले 10 साल से टाइप-1 डायबिटीज से जूझ रही है। इस बीमारी को लेकर उन्होंने बताया कि उन्हें शुरुआत में गलत बीमारी बताई गई थी। बाद में पता चला कि वह टाइप-1 डायबिटीज से जूझ रही हैं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर बताया कि पिछले 10 साल उनके लिए इंसुलिन लेने, अपनी बॉडी को समझने और लाइफस्टाइल में बदलाव करने का सफर रहा है। डायबिटीज को मैनेज करना कई बार थका देने वाला रहता है। ऐश्वर्या ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 10 साल पहले मेरी बीमारी का गलत पता लगाया गया था। जब तक मुझे समझ आया कि मेरी बॉडी के साथ क्या हो रहा है, तब तक मुझे अंदाजा भी नहीं था कि मेरी जिंदगी इस तरह बदलने वाली है और मुझे हर दिन इसके साथ तालमेल बिठाना पड़ेगा। आज टाइप-1 डायबिटीज के साथ जीते हुए मुझे 10 साल पूरे हो गए हैं। उन्होंने आगे लिखा, 10 साल से इंसुलिन ले रही हूं। 10 साल से अपनी बॉडी को समझ रही हूं। इस दौरान कई उतार-चढ़ाव आए, बहुत कुछ सीखा, कई बार निराशा हुई और धीरे-धीरे चीजों को समझना पड़ा। इन 10 सालों में मैंने अपना ख्याल रखने की कोशिश की है। उन दिनों में भी जब खुद की देखभाल करना किसी फुल-टाइम जॉब जैसा लगता है। एक्ट्रेस ने लिखा, मैंने एक्सरसाइज की है और अपने खाने को लेकर भी ध्यान रखा है। मैंने सीखा है कि अपना ख्याल रखने का मतलब परफेक्ट होना नहीं है। इसका मतलब है बार-बार कोशिश करते रहना। इस सफर में मुझे अपनी बॉडी के प्रति थोड़ा और नरम होना भी सीखना पड़ा है। उस बॉडी के प्रति, जिसे इंसुलिन की जरूरत होती है। उन्होंने लिखा, मैं डायबिटीज को खूबसूरत बनाकर पेश नहीं करूंगी। यह थका देने वाली, कई बार नाइंसाफी जैसी लगने वाली और बहुत मेहनत मांगने वाली बीमारी हो सकती है। लेकिन यह मेरी जिंदगी का एक हिस्सा है, लेकिन मेरी पूरी पहचान नहीं। अपनी पोस्ट के आखिर में ऐश्वर्या ने टाइप-1 डायबिटीज के साथ जी रहे लोगों को भी हिम्मत दी। उन्होंने लिखा, अपनी सेहत का ध्यान रखने के लिए हर समय परफेक्ट होना जरूरी नहीं है। जरूरी यह है कि इंसान अपनी क्षमता के मुताबिक लगातार कोशिश करता

सिर की मालिश से मिल सकते हैं ये फायदे, जरूर बनाएं इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा

सिर की मालिश एक पुरानी और असरदार तकनीक है, जो न केवल सिर को आराम देती है, बल्कि पूरे शरीर और मन को भी शांत करती है। यह तकनीक तनाव को कम करने, बालों की जड़ों को मजबूत करने और नींद को बेहतर बनाने में मदद करती है। इसके अलावा यह खून के बहाव को बढ़ाती है और सिरदर्द को दूर करती है। आइए जानते हैं कि सिर की मालिश कैसे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर अच्छा असर डालती है।

तनाव कम करने में है सहायक

सिर की मालिश तनाव कम करने में बहुत असरदार है। जब आप अपने सिर की मालिश करते हैं तो आपके दिमाग के तनाव सेंसर सक्रिय होते हैं, जिससे तनाव का स्तर कम होता है।

यह प्रक्रिया दिमाग में खुशी देने वाले रसायन का उत्पादन बढ़ाती है, जो आपको खुश और शांत महसूस कराती है। इसके अलावा यह तकनीक मानसिक स्पष्टता और ध यान केंद्रित करने की क्षमता को भी बढ़ाती है।

नींद में सुधार लाती है

अगर आपको नींद आने में कठिनाई होती है तो सिर की मालिश एक बेहतरीन उपाय हो सकता है। मालिश से सिर की नसें और खून की नलियां खुलती हैं, जिससे आपका दिमाग शांत होता है और नींद अच्छी आती है। मालिश के दौरान सिर की कुछ खास बिंदुओं पर दबाव डालने से आपको गहरी नींद मिलती है, जिससे आप तरोताजा महसूस करते हैं। नियमित रूप से सिर की मालिश करने से नींद की गुणवत्ता में भी सुधार होता है।

बालों की जड़ों को मजबूत करती है

सिर की मालिश बालों की जड़ों को मजबूत करने में मदद करती है। इससे खून का बहाव बेहतर होता है, जिससे बालों के पोषक तत्व अच्छे से मिलते हैं और वे स्वस्थ रहते हैं।

मालिश के दौरान इस्तेमाल किए जाने वाले तेल जैसे कि नारियल या बादाम का तेल बालों की जड़ों को पोषण देते हैं और उन्हें मजबूत बनाते हैं। इसके अलावा मालिश से बालों की चमक भी बढ़ती है और वे टूटने से बचते हैं।

सिरदर्द दूर करती है

अगर आपको अक्सर सिरदर्द की समस्या रहती है तो सिर की मालिश एक असरदार उपाय हो सकता है। मालिश से दर्द कम होता है और आपको आराम मिलता है।

मालिश के दौरान सिर की नसें और खून की नलियां खुलती हैं, जिससे दर्द में राहत मिलती है। इसके अलावा मालिश से तनाव कम होता है, जो सिरदर्द का एक बड़ा कारण हो सकता है। नियमित रूप से सिर की मालिश करने से सिरदर्द की समस्या में भी सुधार होता है।

रक्त संचार बढ़ाती है

सिर की मालिश खून के बहाव को बढ़ाने में मदद करती है, जिससे पूरे शरीर को पोषक तत्व मिलते हैं। इससे न केवल आपका मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि शारीरिक स्वास्थ्य पर भी अच्छा असर पड़ता है। कुल मिलाकर सिर की मालिश एक सरल और असरदार तकनीक है, जो हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर गहरा असर डालती है। इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करके आप कई लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

एशियन पैरा गेम्सः पावरलिफ्टिंग में देश की झोली में आया एक और मेडल, कस्तूरी राजामणि ने जीता सिल्वर

नागोया, एजेंसी। एशियन पैरा गेम्स 2026 में बुधवार को भारत के पावरलिफ्टिंग अभियान को एक और बड़ी सफलता मिली। कस्तूरी राजामणि ने महिलाओं के 67 किलोग्राम वर्ग में सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने अपने आखिरी प्रयास में 108 किलो का भार उठाते हुए मेडल पर कब्जा जमाया। तमिलनाडु की रहने वाली 42 वर्षीय कस्तूरी राजामणि, उज्बेकिस्तान की रुखशोना उक्तामोवा के बाद दूसरे स्थान पर रहीं। उक्तामोवा ने 127 किलो का भार उठाकर गोल्ड मेडल जीता। साउथ कोरिया की किम ह्योंगहुई ने 107 किलोग्राम का सर्वश्रेष्ठ प्रयास करते हुए ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। राजामणि ने प्रतियोगिता के दौरान लगातार बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने पहले प्रयास में 103 किलो का भार उठाया। इसके बाद दूसरे प्रयास में वह 106 किलो का वजन उठाने में

सफल रहीं। अपने आखिरी प्रयास में उन्होंने 108 किलो का वजन सफलतापूर्वक उठाया, जिससे उन्हें मेडल विजेताओं की सूची में जगह मिली। सिल्वर मेडल के लिए मुकाबला आखिरी पलों तक रोमांचक बना रहा। साउथ कोरियाई एथलीट किम अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में सुधार नहीं कर सकीं, जिससे राजामणि उनसे आगे निकल गईं। दोनों के सर्वश्रेष्ठ लिफ्ट के बीच केवल 1 किलो का अंतर निर्णायक साबित हुआ, जिसने भारतीय एथलीट को इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में दूसरा स्थान दिलाया। यह मेडल राजामणि के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, जो एशियन पैरा गेम्स के पिछले संस्करण में पांचवें स्थान पर रही थीं। उनका यह हालिया प्रदर्शन खेल में उनकी प्रगति को दर्शाता है और उनके करियर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि जोड़ता है। पोलियो के कारण अपने दोनों पैरों से दिव्यांग होने के बावजूद, राजामणि ने कई व्यक्तिगत चुनौतियों का सामना किया है। बचपन में ही उनकी मां का निधन हो गया था, जिसके बाद उनका पालन–पोषण उनकी दादी ने किया। आइची–नागोया में सिल्वर मेडल जीतकर उन्होंने अपने खेल सफर में एक नया अध्याय जोड़ा है। तमिलनाडु की इस एथलीट ने फाइनल राउंड में जब सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब बेहतरीन प्रदर्शन करके दिखाया। राजामणि का यह मेडल इन खेलों में पैरा पावरलिफ्टिंग में भारत के लिए दूसरा मेडल है। इससे पहले, अशोक कुमार मलिक ने मंगलवार को पुरुषों की 65 किलोग्राम कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीतकर इस खेल में देश के लिए इस स्पर्धा में मेडल का खाता खोला।

फेयरफैक्स की वित्तीय स्थिति पर सीमित असर पड़ेगा : मूडीज

नयी दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने सोमवार को कहा कि आईडीबीआई बैंक में बड़ी हिस्सेदारी के प्रस्तावित अधिग्रहण से फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स की वित्तीय स्थिति (ऋण–इक्विटी अनुपात) पर सीमित प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। एजेंसी ने इसके पीछे कनाडाई निवेशक की वित्त पोषण योजनाओं और मजबूत नकदी स्थिति का हवाला दिया। मूडीज ने बयान में कहा कि 30 जून, 2026 तक फेयरफैक्स का कर्ज लगभग 34 प्रतिशत था, जो उसकी गैर–बीमा कंपनियों के दायित्व–मुक्त ऋण को अलग करने के बाद घटकर 27 प्रतिशत रह गया। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि इस सौदे के लिए फेयरफैक्स की वित्तपोषण योजनाओं को देखते हुए उसे कंपनी के उसपर वित्तीय बोझ में किसी बड़े इजाफे की आशंका नहीं है।

क्राइस्टचर्च में भारत का ऐतिहासिक धमाका, न्यूजीलैंड को पहले टी20 में 4 विकेट से रौंदा

संजू-श्रेयस की आंधी के बाद नमन धीर का कमाल, भारत ने दर्ज किया टी20 इतिहास का अपना सबसे बड़ा रन चेज

एजेंसी नई दिल्ली। क्राइस्टचर्च में भारतीय क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले रोमांचक मुकाबले में ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। न्यूजीलैंड द्वारा दिए गए 226 रनों के विशाल लक्ष्य को टीम इंडिया ने 2 गेंद शेष रहते ही 6 विकेट खोकर हासिल कर लिया। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में भारत द्वारा किया गया यह अब तक का सबसे बड़ा सफल रन चेज है। इस जीत के साथ ही भारत ने सीरीज में 1–0 की बढ़त बना ली है।

विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत आक्रामक रही। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने पावरप्ले में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए टी20आई पावरप्ले में सर्वाधिक छक्के लगाने का रोहित शर्मा का वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इसके बाद मध्यक्रम में संजू सैमसन ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए महज 33 गेंदों पर 67 रनों की पारी खेली, जबकि श्रेयस अय्यर ने 42 रनों का अहम योगदान दिया।

अंत में मैच बेहद रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया था, जहां युवा बल्लेबाज नमन धीर ने दबाव की परिस्थितियों में गजब का धैर्य दिखाया। धीर ने केवल 15 गेंदों पर नाबाद 42 रनों की आतिशी पारी खेलकर भारत को जीत की दहलीज पार कराई। इससे पहले टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने ग्लेन फिलिप्स के शानदार नाबाद 82 रनों की बदौलत 20 ओवर में 225ध्8 का स्कोर खड़ा किया था, जिसे भारतीय शेरों ने बौना साबित कर दिया।

सेंट मेरिज स्कूल परिसर में रात को तेंदुआ दिखाई देने से मची अफरा-तफरी

❑ वन विभाग ने तलाश के लिए तीन टीमें गठित कीं।

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

वाराणसी। वाराणसी के छावनी क्षेत्र में स्थित सेंट मेरिज स्कूल परिसर में गुरुवार की भोर में करीब साढे तीन बजे तेंदुआ दिखाई देने से स्कूल प्रबंधन में अफरा–तफरी मच गई। डर के मारे कर्मचारी परिसर के कमरे में छिप गए। परिसर में लगे सीसीटीवी फुटेज में तेंदुआ जाता दिखाई पड़ रहा है। सूचना मिलते ही कैंट पुलिस के साथ वन विभाग की टीम पहुंच गई।

प्रभागीय वनाधिकारी की मौजूदगी में वन और स्कूल कर्मियों ने परिसर को खंगाला लेकिन वह कहीं दिखाई पड़ा। तेंदुआ परिसर में आया था की नहीं, यदि आया तो किस दिशा से आ सकता है। किस दिशा में गया होगा, इसकी जांच करने के लिए प्रभागीय वनाधिकारी ने तीन टीमें गठित कर दी है। प्राथमिक जांच में वन कर्मियों को तेंदुआ के पैर के निशान नहीं मिले।

सेंट मेरिज स्कूल में दशहरा और भरत मिलाप के चलते अवकाश है। बुधवार की रात सुरक्षा कर्मी राजेंद्र कुमार ड्यूटी पर थे। गुरुवार की भोर में करीब साढ़े तीन बजे उन्हें कुत्तों के भौंकने की आवाज सुनाई पड़ी तो वह देखने चले गए। उन्हें लगा कि तेंदुआ है और सतर्कता बरतते हुए तत्काल स्कूल प्रबंधन को इसकी सूचना दी। सुरक्षा को देखते हुए परिसर में टहल रहे कर्मचारियों को अंदर कर दिया गया। स्कूल प्रबंधन के सीसीटीवी फुटेज तेंदुआ जाता हुआ दिखाई पड़ रहा है। वन विभाग की टीम ने सीसीटीवी फुटेज में दिखे तेंदुआ स्थल और परिसर में भ्रमण कर उसके पैर के निशान को देखना चाहा लेकिन उन्हें नहीं मिले। इस बारे में स्कूल की सिस्टर जमीला ने बताया कि परिसर को वन कर्मियों ने देखा लेकिन उन्हें कहीं तेंदुआ दिखाई नहीं पड़ा।

चंदौली से गंगा किनारे से होते हुए वरुणा नदी के रास्ते तेंदुआ शहर के बीच सेंट मेरिज स्कूल में आ सकता है। क्योंकि आबादी और शोर के बीच कोई भी जंगली जानवर नहीं आते हैं। चौबेपुर क्षेत्र के ढाब क्षेत्र में पिछले वर्षों तेंदुआ को देखा गया है। वहां पैर के निशान भी मिले थे।कई दिनों तक तलाश करने के बाद भी तेंदुआ किसी को नहीं मिला।

रुपया शुरुआती कारोबार में नौ पैसे चढ़कर 94.80 प्रति डॉलर पर

मुंबई, एजेंसी। रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में नौ पैसे मजबूत होकर 94.80 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के विदेशी मुद्रा बाजार में संरचनात्मक हस्तक्षेपों से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपए में सात महीने की सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई है। हालांकि, ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में तेजी रुपए के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन सकती है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.90 प्रति डॉलर पर खुला। फिर मजबूत होकर 94.80 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले नौ पैसे की बढ़त है। रुपया शुक्रवार को 10 पैसे मजबूत होकर 94.89 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

मंजीत ने पुरुषों की जेवलिन थ्रो एफ13 कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीता, खेल मंत्री मांडविया ने दी बधाई

नागोया, एजेंसी। भारतीय पैरा–एथलीट मंजीत व्यास ने बुधवार को आइची–नागोया 2026 एशियन पैरा गेम्स में पुरुषों की जेवलिन थ्रो एफ13 में सिल्वर मेडल जीतकर अपने करियर का सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने 61.03 मीटर का पर्सनल बेस्ट रिकॉर्ड बनाया। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने मंजीत को बधाई देते हुए एक्स पर लिखा, ष्एशियाई पैरा गेम्स 2026 में पुरुषों की जैवलिन थ्रो एफ12ध्एफ13 में सिल्वर मेडल जीतने पर मंजीत को बधाई।ष कंबाइंड एफ12ध्13 इवेंट में हिस्सा लेते हुए, मंजीत ने अपनी दूसरी कोशिश में अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। उनका थ्रो एफ13 कैटेगरी में पोडियम फिनिश दिलाने में अहम साबित हुआ, जिससे भारतीय एथलीट ने कॉन्टिनेंटल स्टेज पर एक और बड़ा मेडल जीतकर एक अच्छा सीजन खत्म किया। यह

सिल्वर मेडल 2026 में मंजीत के शानदार नतीजों की लिस्ट में शामिल है। उन्होंने इससे पहले दिल्ली में वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री और बेंगलुरु में इंडियन ओपन पैरा एथलेटिक्स चौंपियनशिप, दोनों में पुरुषों की एफ13 जेवलिन थ्रो में गोल्ड मेडल जीता था। उन्होंने एशियन पैरा गेम्स क्वालीफायर में 59.08 मीटर के थ्रो के साथ पोडियम पर भी टॉप किया, जिससे कॉन्टिनेंटल कॉम्पिटिशन में उनके कैंपेन के लिए स्टेज तैयार हो गया। इससे पहले, जेवलिन में भारत के मेडल की गिनती में प्रदीप कुमार और आयुष वर्मा ने बढ़ोतरी की, जो पुरुषों की जेवलिन थ्रो एफ53 कैटेगरी में क्रमशरू दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। एफ54 क्लासिफिकेशन में मुकाबला कर रहे प्रदीप ने अपना बेस्ट आखिरी कोशिश के लिए बचाकर रखा था और 27.45 मीटर का पर्सनल बेस्ट रिकॉर्ड करके सिल्वर मेडल जीता। यह नतीजा एशियन पैरा गेम्स में पुरुषों की जेवलिन एफ54 इवेंट में उनका दूसरा सिल्वर मेडल था। वह चीन के हांगझोऊ में 2022 एडिशन में रनर–अप रहे थे और 2026 नेशनल पैरा एथलेटिक्स चौंपियनशिप में भी गोल्ड मेडल जीता था। इस बीच, आयुष ने ब्रॉन्ज मेडल जीतने के लिए अपनी पांचवीं कोशिश में 17.88 मीटर का अपना पर्सनल बेस्ट थ्रो किया। उनके परफॉर्मेंस से उन्हें पोडियम पर अपनी जगह पक्की करने के लिए काफी रजा पॉइंट्स मिले, क्योंकि पॉइंट्स–बेस्ड सिस्टम में अलग–अलग क्लासिफिकेशन वाले एथलीटों को सिर्फ दूरी के बजाय उनके परफॉर्मेंस के आधार पर आंका जाता है।

परमाणु कार्यक्रम एआई–आधारित भविष्य को ऊर्जा करेगा प्रदान : डॉ. जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत का परमाणु कार्यक्रम युद्ध के लिए नहीं बल्कि शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है और यह एआई–आधारित भविष्य को ऊर्जा प्रदान करेगा। केंद्रीय मंत्री ने ने श्ब्लूमबर्ग इकोनॉमी फोरम 2026श के दौरान एक विशेष बातचीत में कहा कि भारत की भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में परमाणु ऊर्जा की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाएगी। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डेटा सेंटरों के लिए जरूरी भरोसेमंद उर्जा की बढ़ती मांग को पूरा करना भी शामिल है। भारत के परमाणु कार्यक्रम के जनक डॉ. होमी भाभा के दृष्टिकोण को याद करते हुए, डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत ने हमेशा शांतिपूर्ण कार्यों एवं राष्ट्रीय विकास के लिए परमाणु ऊर्जा का उपयोग किया है। उन्होंने कहा कि परमाणु तकनीक के शांतिपूर्ण उपयोग के प्रति प्रतिबद्धता देश की कार्यनीति के केंद्र में है जबकि देश अपनी उभरती विकासात्मक एवं तकनीकी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपनी क्षमताओं का विस्तार कर रहा है। सिंह ने कहा कि एआई और डेटा सेंटरों के विस्तार के लिए उर्जा के ऐसे भरोसेमंद स्रोतों की आवश्यकता होगी जो उनकी बढ़ती एवं निरंतर ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा कर सकें। उन्होंने कहा कि परमाणु ऊर्जा भारत के अन्य ऊर्जा कार्यक्रमों की पूरक बनेगी और तकनीकी पर तेजी से निर्भर होती अर्थव्यवस्था की उर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में योगदान देगी।

मिडिल ईस्ट तनाव, मजबूत डॉलर और ब्याज दर बढ़ोतरी की आशंका से कीमती धातुओं पर दबाव, सोने–चांदी में 1 प्रतिशत तक की गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव, मजबूत डॉलर, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दर बढ़ोतरी की आशंका से सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। इस दौरान, वैश्विक बाजार से लेकर घरेलू कमोडिटी बाजार तक दोनों कीमती धातुएं दबाव में नजर आईं। अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर बुधवार को सोने और चांदी दोनों में गिरावट देखी गई। खबर लिखे जाने तक सोना 0.23 प्रतिशत कमजोर होकर 4,133 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता नजर आया। वहीं चांदी 1.03 प्रतिशत फिसलकर 57.405 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर ट्रेड कर रही थी। वहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजार की कमजोरी का असर भारतीय बाजार पर भी दिखाई दिया। घरेलू बाजार में सोना गिरकर 1.46 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता

नजर आया, तो वहीं चांदी 2.09 लाख रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना खबर लिखे जाने तक करीब 519 रुपए या 0.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,46,000 प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता नजर आया। दिन के कारोबार में सोना अपने पिछले बंद 1,46,519 रुपए से 0.13 प्रतिशत टूटकर 1,46,328 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला, लेकिन बाद में यह 830 रुपए यानी 0.56 प्रतिशत फिसलकर 1,45,689 रुपए प्रति 10 ग्राम के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया। वहीं, एमसीएक्स पर चांदी 2,267 रुपए यानी 1.07 प्रतिशत टूटकर 2,09,218 रुपए प्रति किलोग्राम पर ट्रेड करती नजर आई। दिन की शुरुआत इसने अपने पिछले बंद 2,11,485 रुपए से 1,085 रुपए यानी 0.51 प्रतिशत गिरकर 2,10,400 रुपए प्रति किलोग्राम पर की। हालांकि दिन के कारोबार में एक समय यह 2,684 रुपए यानी 1.26 प्रतिशत फिसलकर 2,08,801 रुपए प्रति किलोग्राम के निचले स्तर पर पहुंच गई। विशेषज्ञों का कहना है कि पिछले सप्ताह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में बढ़ी अस्थिरता और क्षेत्रीय तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में उछाल देखा गया था। इसके साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूसी ऊर्जा के प्रमुख खरीदारों पर लगने वाले अतिरिक्त टैरिफ हटाने के फैसले ने भी वैश्विक कमोडिटी बाजारों का ध्यान आकर्षित किया। ऐसे माहौल में निवेशक सुरक्षित निवेश और ब्याज दरों से जुड़े संकेतों पर करीबी निगाह बनाए हुए हैं। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, निवेशक फिलहाल 27–28 अक्टूबर को होने वाली अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतिगत बैठक का इंतजार कर रहे हैं। अनुमान है कि अक्टूबर में ब्याज दर बढ़ने की संभावना करीब 16 प्रतिशत है, जबकि दिसंबर में दरों में बढ़ोतरी की संभावना लगभग 90 प्रतिशत मानी जा रही है। आर्थिक जानकारों के मुताबिक, जब ब्याज दरें बढ़ती हैं तो सोने जैसी गैर–ब्याज देने वाली संपत्तियों का आकर्षण कम हो जाता है। यही वजह है कि निवेशक फिलहाल नई खरीदारी को लेकर सतर्क रुख अपनाए हुए हैं। इसके अलावा हालिया कमजोरी के बाद डॉलर इंडेक्स में स्थिरता आने से भी सोने की मांग को सीमित समर्थन मिला है। आने वाले दिनों में सोने और चांदी की दिशा काफी हद तक अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगी।

निफ्टी का टारगेट घटाकर 25,000 हुआ

मुंबई, एजेंसी। ब्रोकरेज फर्म बर्नस्टीन ने निफ्टी के लिए इस साल के अंत तक का टारगेट प्राइस घटाकर 25,000 कर दिया है, जो कि पहले 26,000 था। इसकी वजह अमेरिका से ट्रेड डील पर अनिश्चितता और भारतीय इक्विटी की आय में सुधार को लेकर चिंताएं बने रहना है। ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि बाजार में कुछ सुधार की उम्मीद है, लेकिन बिगड़ते व्यापाक आर्थिक हालात, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और कॉरपोरेट आय पर लगातार दबाव के बीच, इसमें लंबे समय तक बढ़त की गुंजाइश सीमित दिखती है।बर्नस्टीन ने लगातार दूसरी बार निफ्टी के टारगेट प्राइस में कटौती की है। इससे पहले ब्रोकेरज फर्म ने इस साल की शुरुआत में निफ्टी के लिए 28,100 का लक्ष्य निर्धारित किया था। ब्रोकरेज फर्म को अपने पिछले साल के अंत के टारगेट से 7 प्रतिशत की बढ़ोतरी की उम्मीद थी।

मेरठ में 200 करोड़ के निवेश से स्थापित होगी क्रिटिकल मिनरल और रेयर अर्थ रिफाइनरी

लखनऊ, संवाददाता। मेरठ की डीप टेक स्टार्टअप सर्कुलॉजी क्लीटेक प्राइवेट लिमिटेड ने प्रदेश में करीब 200 करोड़ रुपये के निवेश की योजना बनाई है। कंपनी ने इन्वेस्ट यूपी के साथ मेरठ में लिथियम–आयन बैटरी और रेयर अर्थ रिफाइनरी स्थापित करने के लिए एमओयू साइन किया है। इस परियोजना से करीब 300 लोगों को प्रत्यक्ष और 1,000 लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। यूपी स्टार्टअप मिशन के सीईओ सुमित महाजन ने बताया कि योगी सरकार स्थानीय उद्यमियों, स्टार्टअप और तकनीक आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित करने पर जोर दे रही है। इसी दिशा में यूपी स्टार्टअप मिशन के माध्यम से प्रदेश में नए विचारों को व्यावसायिक परियोजनाओं में बदलने और स्टार्टअप को आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। मेरठ में प्रस्तावित परियोजना

भी प्रदेश के स्थानीय स्टार्टअप को बड़े औद्योगिक निवेश से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में नई तकनीक पर आधारित उद्योगों के विकास को बढ़ावा मिलने की संभावना है। उन्होंने कहा कि सर्कुलॉजी की रिफाइनरी चरणबद्ध तरीके से विकसित की जाएगी। पूरी क्षमता पर पहुंचने के बाद इसमें हर साल 10,000 टन सामग्री के प्रसंस्करण की योजना है। रिफाइनरी में इस्तेमाल हो चुकी लिथियम–आयन बैटरियों से लिथियम, कोबाल्ट और निकेल जैसे महत्वपूर्ण खनिजों को पुनरू प्राप्त किया जाएगा। इसके अलावा, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, हार्ड ड्राइव और इलेक्ट्रिक वाहनों की मोटरों में इस्तेमाल होने वाले पुराने स्थायी चुंबकों से नियोडिमियम, डिस्प्रोसियम और टर्बियम जैसे रेयर अर्थ तत्वों को भी निकाला जाएगा। इन खनिजों का उपयोग इलेक्ट्रिक वाहन, नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स और रक्षा क्षेत्र में होता है। इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी से लेकर आधुनिक तकनीकी उपकरणों और ऊर्जा उत्पादन से जुड़े संयंत्रों तक, इनकी अहम भूमिका है। ऐसे में पुरानी बैटरियों और उपकरणों से इन खनिजों को दोबारा प्राप्त करना संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल के साथ–साथ घरेलू आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने में भी मददगार हो सकता है।

हिंदुस्तान जिंक का दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ बढ़कर 6,412 करोड़ रुपए पर

नयी दिल्ली, एजेंसी। वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचजेडएल) का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 142 प्रतिशत बढ़कर 6,412 करोड़ रुपए हो गया। धातुओं की ऊंची कीमतों, उत्पादन में वृद्धि और डॉलर के मजबूत होने से कंपनी के लाभ में बढ़ोतरी हुई। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 2,649 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। हिंदुस्तान जिंक ने सोमवार को बी.एस.ई. को दी गई सूचना में बताया कि कंपनी की परिचालन आय वित्त वर्ष 2026–27 की जुलाई–सितंबर तिमाही में 76.5 प्रतिशत बढ़कर 15,093 करोड़ रुपए हो गई। जो वित्त वर्ष 2025–26 की समान अवधि में 8,549 करोड़ रुपए थी।

सकारात्मक वैश्विक संकेतों के चलते हरे निशान में खुला बाजार, सेंसेक्स 755 अंक चढ़ा, निफ्टी में 1 प्रतिशत की तेजी

मुंबई, एजेंसी। वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच बुधवार के सत्र में भारतीय शेयर बाजार शानदार बढ़त के साथ हरे निशान में खुला। इस बीच प्रमुख बेंचमार्क सूचकांकों में लगभग एक प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। इस दौरान, सेंसेक्स करीब 700 अंक उछलकर 74,500 के स्तर को पार कर गया, तो वहीं निफ्टी 50 भी 0.80 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त के साथ 23,000 के ऊपर पहुंच गया। दिन में सेंसेक्स अपने पिछले बंद 73,852.90 से 485 अंक यानी 0.65 प्रतिशत चढ़कर 74,337.93 के स्तर पर खुला। वहीं एक समय यह 754.76 अंकों यानी 1.02 प्रतिशत की तेजी के साथ 74,607.66 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 22,888.95 से 127 अंक यानी 0.55 प्रतिशत उछलकर 23,016.00 पर खुला और दिन के कारोबार में एक समय यह 230.3 अंकों यानी 1 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,119.25 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप 100 में 0.02 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 0.09 प्रतिशत की गिरावट आई।

प्रकाशक, मुद्रक एवम् संपादक विजय दुबे द्वारा 62, पार्वती नगर, पाण्डेयपुर, वाराणसी से प्रकाशित व काशी प्रिंटर्स, मिन्ट हाउस, वाराणसी से मुद्रित। समस्त विवादों को लखनऊ की सक्षम अदालतों में निपटाया जायेगा।

फोन : 91 8787220970
91 9839666352

आर.एन.आई.रूUPHIN/2008/32231
डाक पंजीयन : जी–2 / न्यूज पेपर / 59 / 2004.
E-mail: lokhastakshep@gmail.com

संपादकः विजय दुबे
कार्यकारी संपादकः दीप्ती दुबे '
संपादकीय सलाहकार : राधाकृष्ण मिश्र

'समाचारों के चयन व संपादन हेतु पीआरबी एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी

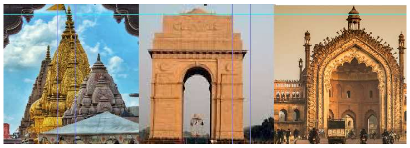

देश-विदेश

कराटे बेल्ट ग्रेडिंग परीक्षा में खिलाडियों ने दिखाया हुनर, विजेताओं को मिली बेल्ट

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

गुरुग्राम । डीएलएफ चरण–4 स्थित कोमल योगा एंड फिटनेस स्टूडियो में कैशोगुन मार्शल आर्ट्स स्पोर्ट्स एकेडमी के तत्वावधान में कराटे कलर बेल्ट ग्रेडिंग परीक्षा का सफल आयोजन किया गया। इस परीक्षा में लगभग 30 कराटे खिलाडियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से अधि ाकांश खिलाड़ी पीडब्ल्यूओ सोसाइटी से थे। कराटे बेल्ट ग्रेडिंग परीक्षा के माध्यम से खिलाडियों की प्रगति, उनकी तकनीक और अगले स्तर में जाने की तैयारी का मूल्यांकन किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने पंच, किक, ब्लॉक, स्टांस, काता और फाइटिंग का बेहतरीन प्रदर्शन किया। यह पूरी ग्रेडिंग प्रक्रिया तकनीकी परीक्षकों और अधिकृत प्रशिक्षकों के एक पैनल द्वारा आयोजित की गई। इस अवसर पर खिलाडियों, विशेषकर छात्राओं को आत्मरक्षा और फाइटिंग कौशल की विशेष बारीकियां सिखाई गईं। पूरी परीक्षा कैशोगुन कराटे डो अकादमी के प्रमुख जेन मास्टर सुमित विरमन की देखरेख में संपन्न हुई। परीक्षा के दौरान पीडब्ल्यूओ सोसाइटी के डोजो कोच रोहित के. भारद्वाज और सुचिता कुमारी भी विशेष रूप से मौजूद रहे। प्रतियोगिता में वरदान नय्यर ने ब्राउन बेल्ट 2वीं क्यू (सीनियर बेल्ट), सात्विकी सागर ने पर्पल बेल्ट, भव्य मेहता, भूमि मेहता, आयाशी सिंह, वेदांशी वर्मा और पार्थ वर्मा ने ब्लू बेल्ट, रुषिका सिंह ने ग्रीन बेल्ट, शिवांश अडसुले, हर्षवर्धन अडसुले, रुद्रांश अडसुले, इशिता, आदिया गुप्ता, श्रीथा वासुकी कंडालम, सिया मानसा कंडालम और स्तुति मिश्रा ने ऑरेंज बेल्ट, तथा शिविका उमा राय, स्वधा भारद्वाज, देवाशीष भारद्वाज, आराध्या कुमारी, सुहानी शर्मा, आयुष कुमार, कार्तिक और आदित्य कुमार ने येलो बेल्ट हासिल की।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बच्चों के अभिभावक भी उपस्थित रहे, जिन्होंने खिलाडियों का उत्साहवर्धन किया। परीक्षा के सफल समापन पर जेन मास्टर सुमित विरमन ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

रूस ने फिर किया बड़ा मिसाइल हमला

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि अब हमें अपने बचाव के लिए सहयोगियों से मदद भी नहीं मिल रही है। हमले की चेतावनी पहले से नहीं मिलने के कारण यूक्रेन को एक बार फिर भारी तबाही का सामना करना पड़ा। रविवार रात रूस ने कीव को निशाना बनाते हुए 16 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हमले में हमारे कई लोगों की जान चली गई। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, रूस ने रातभर कई चरणों में बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से हमला किया, लेकिन एक बार फिर यूक्रेन को उसके सहयोगी देशों से पहले से कोई चेतावनी नहीं मिली। रूस ने कुल 16 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं और यह हमला विशेष रूप से कीव और कीव क्षेत्र को निशाना बनाकर किया गया था। जेलेंस्की के अनुसार, हमलों का मुख्य निशाना ऊर्जा सुविधाएं और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा था। हालांकि, एक मेडिकल क्लिनिक, एक स्कूल, एक मेट्रो स्टेशन और कई रिहायशी इमारतें भी हमले में क्षतिग्रस्त हुईं। उन्होंने कहा कि रूस ने 200 से अधिक ड्रोन भी इस्तेमाल किए, जिनमें जेट इंजन वाले शाहेद ड्रोन भी शामिल थे। ये हमले खार्कीव और निप्रॉपेट्रोव्स्क क्षेत्रों से लेकर वोलिन, रिव्ने और ओडेसा क्षेत्रों तक किए गए। जेलेंस्की ने बताया कि हमलों में लोगों की जान भी गई है। उन्होंने कहा, षैं पीड़ितों के परिवारोंऔर उनके प्रियजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। घायल लोगों को सहायता दी जा रही है। राष्ट्रपति के मुताबिक, रात और सुबह के दौरान रूस ने विनित्सिया, वोलिन, किरोवोहराद, कीव, मिकोलेइव, झिटोमिर, खमेल्नित्सकी, खार्कीव, टरनोपिल, ओडेसा और रिव्ने क्षेत्रों की ऊर्जा सुविधाओं पर हमले किए।

अमेरिका ने ईरान के एक प्रस्ताव पर भरी हामी

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने दावा किया है कि अमेरिका ने तेहरान के प्रस्ताव को मान लिया है और इसके साथ ही कुछ और शर्तें जोड़ने का अनुरोध भी किया है। अराघची ने कहा कि ईरान के सात–दिवसीय प्रस्ताव को अमेरिका मानने के लिए तैयार हो गया है, लेकिन उसने इसमें कुछ और शर्तें जोड़ने का अनुरोध किया है।

9 मिनट में पंजाब विधानसभा सत्र स्थगित होने पर भड़के परगट सिंह, सीएम मान से मांगा इस्तीफा

राजेंद्र सिंह जादौन

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा का सत्र महज 9 मिनट में समाप्त होने पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सरदार परगट सिंह ने आम आदमी पार्टी (।।च) सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री भगवंत मान की सरकार जनहित के मुद्दों पर जवाब देने से भाग रही है। परगट सिंह ने मुख्यमंत्री से इस्तीफे की मांग करते हुए राज्य में प्रशासनिक बदइंतजामी और जवाबदेही की कमी का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता ने कहा कि पंजाब में कर्मचारी, कंप्यूटर शिक्षक, ईटीटी और पीआरटीसी कर्मचारी अपने हकों के लिए सड़कों पर हैं, लेकिन सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। उन्होंने विधानसभा की श्रद्धांजलि सूची में नशों के खिलाफ आवाज उठाने वाले परमिंदर सिंह झोटा और मनरेगा मजदूरों के नाम शामिल न करने पर विधानसभा अध्यक्ष की भूमिका पर भी सवाल उठाए। झोटा हत्याकांड की सीबीआई जांच की मांग करते हुए स्वास्थ्य मंत्री की जवाबदेही तय करने आरोपियों को मिले हथियार लाइसेंस की निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दौरे पर निशाना साधते हुए केंद्र सरकार से भी नशे के खिलाफ उठाए गए कदमों का हिसाब मांगा।

कादीपुर कम्युनिटी सेंटर में 15 और 16 नवंबर को होगा छठ पूजा का भव्य आयोजन

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

गुरुग्राम । जन सेवा एवं सांस्कृतिक चेतना मंच, खांडसा रोड, गुरुग्राम की ओर से हर वर्ष की भांति इस बार भी 15 और 16 नवंबर को कादीपुर कम्युनिटी सेंटर में छठ पूजा का भव्य आयोजन किया जाएगा। आयोजन को लेकर संस्था ने अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं। कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। संस्था के अध्यक्ष रणधीर राय ने बताया कि छठ पूजा के आयोजन से पहले कादीपुर कम्युनिटी सेंटर की साफ–सफाई कराई जाएगी। इसके बाद जेसीबी की मदद से गड्ढा खोदकर टैंकरों के माध यम से पानी भरवाया जाएगा, जिससे कृ त्रि म छ ठ

घाट तैयार किया जा सके। इस व्यवस्था का उद्देश्य छठ व्रतियों को सूर्यदेव को संध्या और प्रातरूकालीन अर्घ्य देने के लिए उचित स्थान उपलब्ध ा कराना है। इस कार्य में सहयोग के लिए गुरुग्राम नगर निगम से भी अनुरोध किया जाएगा। संस्था के महासचिव शंभु प्रसाद ने बताया कि गुरुग्राम में कई स्थानों पर छठ पूजा का आयोजन होता है, लेकिन कादीपुर कम्युनिटी सेंटर में होने वाले आयोजन में हर साल 8 से 10 हजार श्रद्धालु पहुंचते हैं। यहां संध्या और प्रातरूकालीन अर्घ्य के समय सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। इसके लिए भव्य मंच तैयार किया जाता है। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए इस बार सुरक्षा, व्यवस्था और सहयोग के लिए अधिक से अधिक वॉलेंटियर तैनात किए जाएंगे, ताकि पूजा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सके। छठ पूजा की तैयारियों में संस्था के कोषाध यक्ष राजेश कुमार, संगठन मंत्री रविकांत, राजेश तिवारी, जितेंद्र यादव, रवि राय, नन्हकू तिवारी, सर्वजीत कुमार, सुधीर राय, शिवांश कुमार सहित समस्त कार्यकारिणी के सदस्य जुट गए हैं।

हरियाणा में हर बूथ पर बनेगी 11 सदस्यीय कमेटी

□ स्मृति ईरानी ने लिया बैठकों में हिस्सा

लोक हस्तक्षेप संवाददाता, पंचकूला। भारतीय जनता पार्टी आगामी तीन महीनों में हरियाणा के प्रत्येक बूथ पर 11 सदस्यीय समिति का गठन एवं पुनर्गठन करेगी। इसके साथ ही सभी बूथों पर पन्ना प्रमुखों की नियुक्ति भी सुनिश्चित की जाएगी। यह निर्णय पंचकूला के श्पंचकमलश कार्यालय में आयोजित भाजपा की दो दिवसीय सांगठनिक बैठक में लिया गया। बैठक में मुख्य रूप से भाजपा की राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी, राष्ट्रीय सचिव डॉ. भोला सिंह और प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता शामिल हुईं। डॉ. अर्चना गुप्ता ने बताया कि संगठन को मजबूत करने के लिए प्रदेश और जिला स्तर के पदाधिकारी जिलों में जाकर कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद करेंगे और रात्रि प्रवास भी करेंगे। इसके अलावा, कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति (अंत्योदय) तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।